TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | सीएसआर फंड से बदलेगी कस्तूरबा गांधी स्कूलों की सूरत... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-47 | मूल्य ₹7 | बुधवार | दिनांक- 19.08.2026

फिल्म 'बंटवारा' को लेकर आक्रोश, योगी यूथ ब्रिगेड ने पोस्टर फाड़े, बैन लगाने की मांग

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आमिर खान और सनी देओल की हाल ही में रिलीज हुई नई फिल्म 'बंटवारा' को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। योगी यूथ ब्रिगेड ने फिल्म में हिंदुओं को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का आरोप लगाते हुए आक्रोश व्यक्त किया है। योगी यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं के मंगलवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए फिल्म के पोस्टर फाड़ दिए और उन्हें आग लगा दी। ब्रिगेड ने फिल्म पर बैन लगाए जाने की मांग की है।

योगी यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राजपुर चुंगी स्थित पन्ना सिनेमा पर प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर के नेतृत्व में नारेबाजी की। उन्होंने फिल्म अभिनेता सनी देओल और आमिर खान के पोस्टर भी फाड़े और फिल्म को बैन करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फिल्म में हिंदुओं को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है जबकि मुसलमानों को बेहतर दिखाने का प्रयास किया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सबको पता है कि बंटवारे के समय हमारे सिख व हिंदू भाई बहनों का कत्लेआम किया गया था। जबकि फिल्म के जरिए हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सरकार से फिल्म पर बैन करने की मांग की।

तीसरी बार समझौता वार्ता में मुस्लिम पक्ष न हुआ उपस्थित

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण, हिंदू पक्षकारों ने दर्ज कराई आपत्ति

- जमीन हमारी है, एक इंच भूमि नहीं देंगे : महेंद्र प्रताप

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मंगलवार को विशेष लोक अदालत में समझौता वार्ता का तीसरा प्रयास हुआ।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार यादव (द्वितीय) की लोक अदालत में हुई सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष उपस्थित नहीं हुआ, जबकि हिंदू पक्षकार मौजूद रहे। मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति के चलते समझौता वार्ता की पत्रावली को निस्तारित कर दिया गया। अगली समझौता वार्ता 21, 22 अथवा 23 अगस्त में से किसी एक तिथि को सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तावित है।

समझौता वार्ता के बाद हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने कहा कि मुस्लिम पक्ष का बार-बार वार्ता में उपस्थित न होना इस प्रकरण को लंबित रखने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि की विवादित भूमि भगवान श्रीकृष्ण की भूमि है और उसके बदले किसी अन्य स्थान पर जमीन देने का सवाल ही नहीं उठता। महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने कहा, "हमारा स्पष्ट मत है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि की करीब ढाई एकड़ विवादित भूमि भगवान श्रीकृष्ण की है।

अपने गोविंद की भूमि और उसके बदले किसी अन्य स्थान पर भूमि देने वाले हम कौन होते हैं। जमीन हमारी है, इसलिए एक इंच भूमि भी नहीं देंगे।" महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पूर्व की समझौता वाताओं में कुछ हिंदू पक्षकारों और अन्य लोगों की ओर से शाही ईदगाह मस्जिद को हटाकर अन्य स्थान पर भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव सामने आया था।

उन्होंने कहा, "श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह के ऊपर वर्तमान में जो निर्माण है, वह हमारे लिए केवल भवन का विवाद नहीं बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि से जुड़ा विषय है। हमारा प्रयास न्यायालय के माध्यम से इस विवाद का न्यायपूर्ण समाधान कराने का है।"

उन्होंने मुस्लिम पक्ष के वार्ता में उपस्थित नहीं होने पर कहा, "पहली लोक अदालत में मुस्लिम पक्ष उपस्थित नहीं हुआ था। दूसरी बार में वार्ता में दोनों पक्ष उपस्थित हुए, लेकिन आपसी बातचीत से कोई सहमति नहीं बन सकी। मंगलवार को हुई तीसरी वार्ता में भी मुस्लिम पक्ष उपस्थित नहीं हुआ। इससे यह प्रतीत होता है कि मामले को लंबित रखने की कोशिश की जा रही है। हम चाहते हैं कि मामले का शीघ्र न्यायिक निस्तारण हो।" इस दौरान हिंदू पक्षकार अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह, दिनेश फलाहारी, महेश खंडेलवाल, कपिल शर्मा, विजय बहादुर सिंह, हरेराम त्रिपाठी, प्रदीप श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

'बच्चों पर लाठी चलाओ, फिर बोल दो कि कुछ हुआ ही नहीं'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने दिल्ली पुलिस की तारीफ करते हुए दावा किया था कि किसी भी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा; किसी की भी हड्डी नहीं टूटी। गंभीर चोट के कारण कोई भी प्रदर्शनकारी अस्पताल में भर्ती नहीं है। इस पर राहुल गांधी ने सरकार पर छात्रों के साथ कथित बर्बरता को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि देश के बच्चों से झूठ नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि उनके पास आंखें भी हैं और याददाश्त भी।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि मोदी सरकार के मंत्री कह रहे हैं कि 'दिल्ली पुलिस की तारीफ करनी चाहिए।' उन्होंने सवाल किया कि संसद से महज आधा किलोमीटर दूर शांतिपूर्ण छात्रों पर पैलेट गन और कील लगी लाठियां चलाने, एक बच्चे की आंख जाने और एक बच्ची का कान कटने की घटना की तारीफ कैसे की जा सकती है। राहुल गांधी ने दावा किया कि वह खुद उन घायल छात्रों से मिले हैं और देश ने इस घटना से जुड़े हजारों वीडियो देखे हैं।

सड़क पर बैठे मवेशी बने काल, 8 मजदूरों की मौत, 32 घायल

भिंड-ग्वालियर हाईवे पर मवेशियों को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे डंपर में घुसी पिकअप

- डबरा में धान की रोपाई कर उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी लौट रहे थे सभी मजदूर,
- चीख-पुकार के बीच आधी रात को मची चीख-पुकार

विशेष संवाददाता

बाह। भिंड/गोहद। भिंड-ग्वालियर नेशनल हाईवे-719 पर मंगलवार की दरमियानी रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के छीमका गांव के पास मवेशियों को बचाने के फेर में एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन सामने से आ रहे डंपर से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए।

इस दर्दनाक हादसे में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के 8 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 32 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया है। हादसे की मुख्य बातें:

आधी रात का कोहराम

दुर्घटना रात करीब 1 बजे हुई, जब सभी मजदूर गहरी नींद में थे।

मृतक व घायल

5 मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 3 की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई।

मवेशियों का झुंड बना वजह

प्राथमिक जांच के अनुसार, अचानक सड़क पर आए गायों के झुंड को बचाने के लिए पिकअप चालक ने कट मारा और गाड़ी सीधे डंपर से जा भिड़ी।

रोजी-रोटी की तलाश में आए थे

सभी मृतक ग्वालियर के डबरा-चीनोर इलाके में धान की रोपाई का काम खत्म कर अपने घर लौट रहे थे।पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने रात में ही क्रेन की मदद से वाहनों को हाईवे से हटाया और राहत कार्य शुरू किया। मुख्यमंत्री ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख की आर्थिक सहायता

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का किया एलान, एमपी सरकार से समन्वय कर पार्थिव देह गृह जनपद भेजने और घायलों के मुफ्त इलाज के दिए निर्देश।

पार्थिव शरीरों की ससम्मान वापसी

सीएम योगी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि मध्य प्रदेश सरकार से तत्काल समन्वय (कोऑर्डिनेशन) स्थापित कर सभी मृतकों के शवों को ससम्मान उनके गृह जनपद लखीमपुर खीरी पहुंचाया जाए।घायलों के इलाज की जिम्मेदारीः दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों (योगी आदित्यनाथ व डॉ. मोहन यादव) ने हादसे पर शोक जताते हुए प्रशासन को घायलों के समुचित एवं बेहतर इलाज के पुख्ता इंतजाम करने के आदेश जारी किए हैं।

कोलकाता में सीजेपी के सभी कार्यक्रम रद्द

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने आरोप लगाया है कि कोलकाता में उसका प्रस्तावित कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की कथित धमकी और राज्य प्रशासन के दबाव के कारण रद्द हो गया। सीजेपी के मुताबिक, उत्तर कोलकाता के भारत सभा हॉल में होने वाले कार्यक्रम को अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। संगठन का दावा है कि हॉल के मालिकों को कथित तौर पर धमकियां मिली थीं।

सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत सभा हॉल के मालिकों को धमकी मिलने के बाद कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। रांका के अनुसार, इसके बाद संगठन ने छह अन्य हॉल से भी संपर्क किया, लेकिन सभी ने कार्यक्रम आयोजित करने से इनकार कर दिया। सीजेपी का दावा है कि इन हॉल संचालकों ने इसके पीछे राज्य प्रशासन की ओर से बनाए गए भारी दबाव का हवाला दिया।

आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं से साफ है कि भाजपा सीजेपी से डर रही है। उन्होंने कहा कि संगठन जल्द ही इससे भी बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में सीजेपी के कार्यकर्ता सरकारी स्कूलों का दौरा करते रहेंगे और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाते रहेंगे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा पर पार्टी की आवाज दबाने के लिए धमकी और डराने-धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बांकुरा में सीजेपी से जुड़े एक युवक के पिता की कथित हत्या के मामले में एफआईआर में नाम होने के बावजूद सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। रांका ने परिवार को आर्थिक मदद देने और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

लविश्का के लिए वरदान बना आरबीएसके

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत दिल में छेद का हुआ मुफ्त उपचार

- 18 साल तक के बच्चों को 47 बीमारियों का मुफ्त उपचार कराने का प्रावधान
- आरबीएसके के तहत दो वर्षों में 228 मासूमों को मिली नई जिंदगी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

विकास खण्ड अछनेरा के ग्राम साधन निवासी गजेंद्र पाल सिंह के घर 24 नवम्बर 2024 को पुत्री लविश्का का जन्म हुआ। जन्म के कुछ समय बाद परिवार को पता चला कि लविश्का के दिल में छेद है। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण बच्ची का उपचार संभव नहीं हो पा रहा था। परिवार को बीमारी की गंभीरता और सरकारी उपचार सुविधाओं की जानकारी भी नहीं थी। ऐसे में परिवार के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) वरदान साबित हुआ। क्षेत्रीय आशा कार्यकर्ता और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से परिवार को आरबीएसके के बारे में जानकारी हुई।

विकास खण्ड अछनेरा की आरबीएसके की टीम बी की डॉ. लता मिश्रा, डॉ. दीप्ति बरूण, संतोष कुमार (ऑप्टोमेट्रिस्ट) एवं अनीता कौशिक (एएनएम) द्वारा बच्चे का स्वास्थ्य परीक्षण किया। टीम ने परिजनों को सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। जनपद स्तर से डीईआईसी मैनेजर रमाकान्त शर्मा के सहयोग से बच्चे को जवाहरलाल नेहरू मेडीकल कॉलेज के हृदय रोग विभाग में संदर्भित किया गया। जहाँ बच्ची की समस्त जाँचें निःशुल्क कराई गईं। 30 जुलाई को विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बच्ची की सफलतापूर्वक निःशुल्क सर्जरी की। बच्ची के पिता गजेंद्र पाल सिंह और परिजनों ने आरबीएसके टीम एवं स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त किया। निःशुल्क उपचार से उनकी बेटी लविश्का को नया जीवन मिला है।

भारत सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चलाई जा रही योजना है। इसका उद्देश्य जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों में स्वास्थ्य समस्याओं की शुरूआती पहचान और उनका मुफ्त इलाज करना है। इसके तहत 47 स्वास्थ्य स्थितियों/बीमारियों की जांच की जाती है। आरबीएसके के तहत संपूर्ण उपचार व दवाइयों का खर्च सरकार द्वारा उठाया जाता है।

- डॉ. अरुण श्रीवास्तव
मुख्य चिकित्सा अधिकारी

स्वास्थ्य विभाग द्वारा ब्लॉक स्तर पर समर्पित आरबीएसके की टीमें समय-समय पर स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा करती हैं। यहां पर बच्चों की स्क्रीनिंग करके कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले रोगों से पीड़ित बच्चों का उपचार करने के लिए संदर्भन किया जाता है।

- डॉ. सुरेंद्र मोहन प्रजापति
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम नोडल अधिकारी

जनपद आगरा में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जन्मजात व गंभीर रोगों से जूझ रहे वर्ष 2025-26 में 152 बच्चों और 2026-27 में अभी तक 76 बच्चों को उपचार मिल चुका है।

- रमाकान्त शर्मा
डीईआईसी मैनेजर

वंदे मातरम विवादः कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बोले- सलाखों के पीछे भेज दो या फांसी पर चढ़ा दो, हम दो ही पद गाएंगे

एजेंसी, नई दिल्ली।

वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद के बीच कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने मंगलवार को इस मुद्दे पर अपनी पार्टी का बचाव किया। उनका कहना कि अगर केंद्र सरकार हमें सलाखों के पीछे भी भेज दे या हमें फांसी पर लटका दे, तब भी हम वंदे मातरम के महज दो ही पद गाएंगे। उन्होंने यह बयान ऐसे वक्त में दिया है, जब कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी पर यह आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्र गीत गाने से रोकने का इशारा किया था।

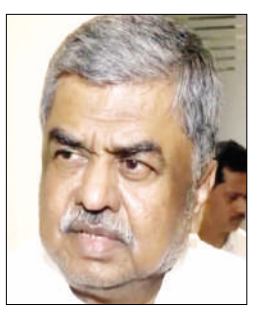

हरिप्रसाद ने आरोपों का बताया साजिश

दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस नेता बी.के. हरिप्रसाद ने इन आरोपों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'साजिश और चालाकी भरी योजना' का हिस्सा बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने केवल इस बात पर आपत्ति जताई थी कि वंदे मातरम् को सही तरीके से नहीं गाया जा रहा था। हरिप्रसाद के अनुसार, सोनिया गांधी ने कहा था कि वंदे मातरम् को उचित ढंग से गाया जाना चाहिए और उनकी आपत्ति केवल इसके गायन की शैली को लेकर थी, न कि गीत को लेकर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पैर में दिक्कत थी। इसी वजह से वो लंबे समय तक खड़े नहीं हो सकते थे। खड़गे की इसी दिक्कत को देखते हुए सोनिया गांधी ने उनके लिए कुर्सी मांगी थी।

उन्होंने इस घटना की भाजपा और आरएसएस की ओर से की जा रही आलोचनाओं पर भी सवाल उठाया। उनके मुताबिक, आखिर अब तक आरएसएस ने 'नमस्ते सदा वत्सले' की प्रार्थना करने के बाद कितनी बार वंदे मातरम या राष्ट्रगान गाया है। क्या भाजपा या आरएसएस हमें इस बारे में स्पष्टीकरण दे सकते हैं। हरिप्रसाद ने कहा कि जब आजादी की लड़ाई जारी थी, उस वक्त आरएसएस के लोग राष्ट्रविरोधी भूमिका निभा रहे थे। लिहाजा हमें उनसे किसी खास गीत को सीखने की कोई जरूरत नहीं है।

नदियों में बाढ़ का खतरा, प्रशासन अलर्ट

आगरा मंडल के जिलों में युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्यों की तैयारियां तेज

- उपजिलाधिकारियों को नदियों के जलस्तर पर 24 घंटे नजर रखने के निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मंडल में मानसूनी बारिश और यमुना, चंबल, उटंगन तथा अन्य सहायक नदियों के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासनिक महकमा पूरी तरह सतर्क हो गया है। पूरे मंडल के सभी चार जिलों आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी में बाढ़ की किसी भी संभावित चुनौती से निपटने के लिए युद्धस्तर पर तैयारियां की गई हैं। सभी उपजिलाधिकारियों को नदियों और तालाबों के जलस्तर पर 24 घंटे नजर रखने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। ताकि आपात स्थिति में त्वरित कदम उठाए जा सकें।

आगरा जिले में यमुना, चंबल और उटंगन नदियों के उफान के खतरे को देखते हुए विशेष प्रबंध किए गए हैं। पिनाहट, बाह, एत्मादपुर और फतेहाबाद जैसे अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं। आगरा में संभावित बाढ़ से निपटने के लिए प्रशासन ने राहत शिविरों और सुरक्षित आश्रय स्थलों का चिन्हीकरण पूरा हो चुका है। इसी तरह मथुरा जिले में यमुना नदी के खादर क्षेत्रों, जिनमें वृंदावन, मांट, महावन और छाता तहसीलें शामिल हैं, में तटबंधों की सघन निगरानी की जा रही है। मथुरा प्रशासन ने बाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्रामीणों के लिए सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों की पर्याप्त व्यवस्था कर ली है।

जलभराव और कटाव रोकने के इंतजाम

फिरोजाबाद जिले में यमुना नदी के तटीय गांवों के निवासियों को पहले ही अलर्ट कर दिया गया है। शिकोहाबाद व टूंडला क्षेत्रों में जलभराव की समस्या और भू-कटाव रोकने के लिए सिंचाई विभाग की टीमें मुस्तैद हैं। मैनपुरी में ईशन और काली नदियों के जलस्तर पर पैनी नजर रखी जा रही है। मैनपुरी प्रशासन ने निचले और जलभराव वाले इलाकों में पानी की त्वरित निकासी के लिए उच्च क्षमता वाले पंपों की व्यवस्था की है। संपूर्ण आगरा मंडल में आपदा प्रबंधन टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खाद्य सामग्री और राहत किट वितरण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बाढ़ के दौरान बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने हर ब्लॉक स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीमें (आरआरटी) तैनात की हैं। आशा कार्यकर्ताओं को भी निर्देशित किया गया है और दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। आपात स्थिति से निपटने के लिए गोताखोरों, एनडीआरएफ और मोटर बोट्स (फ्लोटर्स/स्टीमर्स) की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर ली गई है।

जलभराव और कटाव रोकने के इंतजाम

फिरोजाबाद जिले में यमुना नदी के तटीय गांवों के निवासियों को पहले ही अलर्ट कर दिया गया है। शिकोहाबाद व टूंडला क्षेत्रों में जलभराव की समस्या और भू-कटाव रोकने के लिए सिंचाई विभाग की टीमें मुस्तैद हैं। मैनपुरी में ईशन और काली नदियों के जलस्तर पर पैनी नजर रखी जा रही है। मैनपुरी प्रशासन ने निचले और जलभराव वाले इलाकों में पानी की त्वरित निकासी के लिए उच्च क्षमता वाले पंपों की व्यवस्था की है। संपूर्ण आगरा मंडल में आपदा प्रबंधन टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खाद्य सामग्री और राहत किट वितरण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बाढ़ के दौरान बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने हर ब्लॉक स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीमें (आरआरटी) तैनात की हैं। आशा कार्यकर्ताओं को भी निर्देशित किया गया है और दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। आपात स्थिति से निपटने के लिए गोताखोरों, एनडीआरएफ और मोटर बोट्स (फ्लोटर्स/स्टीमर्स) की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर ली गई है।

रजिस्टर में 125 कुंतल खाद्यान्न, स्टॉक मिला जीरो

ग्रामीणों की शिकायत पर हुई जांच, राशन विक्रेता पर एफआईआर

टीएनएफ टुडे, जगनेर।

ग्राम पंचायत दहगवा में सरकारी राशन की कथित कालाबाजारी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की शिकायत पर पूर्ति विभाग की जांच में उचित दर विक्रेता बलवीर सिंह की दुकान का स्टॉक शून्य मिला। जबकि रिकॉर्ड के अनुसार दुकान पर 71.25 कुंतल गेहूं, 47.50 कुंतल चावल और 5.78 कुंतल बाजरा, कुल 124.53 कुंतल खाद्यान्न उपलब्ध होना चाहिए।

13 अगस्त को पूर्ति निरीक्षक चंद्रशेखर सहाय और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सूर्यप्रकाश ने दुकान का निरीक्षण किया। कोटेदार मौके पर नहीं मिला। उसका पुत्र दुकान खोलकर जांच कराने पहुंचा, लेकिन स्टॉक रजिस्टर उपलब्ध नहीं कराया जा सका।

जांच टीम ने दुकान से जुड़े 33 कार्डधारकों के बयान भी दर्ज किए। कई उपभोक्ताओं ने अंगूठा लगवाने के बावजूद राशन नहीं देने, दो-तीन माह से खाद्यान्न नहीं मिलने, कम राशन देने और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए। कुछ ने शराब के नशे में राशन बांटने की शिकायत भी की। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर थाना जगनेर में कोटेदार के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 और बीएनएस की धारा 352 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

कैलाश मेले में नेशनल हॉस्पिटल का 11वां भंडारा

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।

कैलाश मेले में श्रद्धालुओं की आस्था के साथ सेवा की तस्वीर भी देखने को मिली। सिकंदरा स्थित नेशनल हॉस्पिटल की ओर से सावन के तीसरे सोमवार को 11वें विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से ही भंडारे में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही और भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

नेशनल हॉस्पिटल के डायरेक्टर सुशील चौहान की ओर से पिछले 11 वर्षों से कैलाश मेले के दौरान भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस बार 11 क्विंटल प्रसाद की व्यवस्था की गई। बाबा भोलेनाथ के चित्र पर माल्यार्पण और विधि-विधान से पूजन के बाद भंडारे का शुभारंभ हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं को पूरे उत्साह के साथ प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे में आगरा की महापौर हेमलता दिवाकर, विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, एमएलसी विजय शिवहरे, महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता और पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगवीर सिंह तोमर, पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह चौहान के पुत्र श्रेयांश चौहान समेत कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग पहुंचे। जनप्रतिनिधियों ने भी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर सेवा में सहभागिता की। आगरा में कैलाश मंदिर का सावन मेला आस्था का बड़ा केंद्र है। तीसरे सोमवार को मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में भोलेनाथ के जयकारों से माहौल भक्तिमय नजर आया। इसी धार्मिक आस्था और सेवा की परंपरा के बीच नेशनल हॉस्पिटल का यह भंडारा लगातार 11 वर्षों से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और सेवा का माध्यम बना हुआ है। भंडारे में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजकों ने बाबा कैलाशनाथ से सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान राजू परमार, ललिता शर्मा, सुनील चौहान, राजेंद्र चौहान, सहित सैकड़ो भाजपा नेता मौजूद रहे।

प्रज्ञा शिशु शिक्षा संस्थान में नए भवन का शुभारंभ

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर (आगरा)।

क्षेत्र के आवलखेड़ा में प्रज्ञा शिशु शिक्षा संस्थान जूनियर हाईस्कूल के लिए 17 अगस्त का दिन बेहद ऐतिहासिक रहा। विद्यालय की नवनिर्मित आधुनिक बिल्डिंग का भव्य शुभारंभ विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ करके किया गया। इस मांगलिक अनुष्ठान में मुख्य अतिथि के रूप में अंबे हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. महेश चौधरी उपस्थित रहे, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर और रिबन काटकर नई बिल्डिंग का विधिवत उद्घाटन किया।क्षेत्र के गणमान्य लोग रहे मौजूद। इस विशेष और हर्षोल्लास के अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इसके साथ ही आवलखेड़ा और आसपास के क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम में शिरकत की। सभी ने विद्यालय प्रबंधन को इस नए और उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. महेश चौधरी और उपस्थित वरिष्ठ जनों ने ईश्वर से प्रार्थना की।

शुभ अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस नए भवन और आधुनिक माहौल में शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र-छात्राएं आगे चलकर देश के सर्वोच्च पदों पर पहुंचेंगे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रशासन की ओर से आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और प्रसाद वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ।

उटंगन नदी में भांजे के साथ नहाने गया मामा डूबा

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव नागर में भांजे के साथ उटंगन नदी में नहाने गया मामा डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश में जुटी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामभजन पुत्र रामप्रकाश उम्र 35 वर्ष निवासी महात्मानंद की बगीची थाना कोतवाली धौलपुर मंगलवार को थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव नागर में अपनी बहन गीता पत्नी भूरी सिंह के घर आया था। तभी मंगलवार की शाम 5 :30 बजे के करीब अपने भांजे बिल्लू उम्र 7 वर्ष के साथ उटंगन नदी पर पहुंचा और कपड़े उतार कर नदी में नहाने के लिए जैसे ही उतरा तो पैर गहरे पानी में चले जाने के कारण रामभजन डूब गया। तभी बच्चों की आवाज सुनकर आसपास खेतों पर काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तलाश की तथा जानकारी निबोहरा पुलिस को दी। सूचना पर निबोहरा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार गौतम ने बताया कि उटंगन नदी में नहाते समय एक युवक डूब गया है, जिसकी स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश की जा रही है।

सवारियों से भरा ऑटो पलटा, दो घायल

खेरागढ़। कस्बे के सीमावर्ती राजस्थान क्षेत्र के गांव नबाब बसई स्थित बाईपास के गोल चक्कर पर मंगलवार को मोड़ते समय सवारियों से भरा ऑटो अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ऑटो सवार दो बुजुर्ग महिलाएं घायल हो गईं। हादसे के बाद चालक घायलों को सीएचसी खेरागढ़ पहुंचाकर अस्पताल में छोड़कर फरार हो गया।जानकारी के अनुसार सैंपऊ क्षेत्र के राजा का नगला निवासी अनार देवी पत्नी मेघाराम और सोमोती पत्नी ठाकुरदास अपने रिश्तेदार के यहां महमदगढ़ जाने के लिए ऑटो में सवार हुई थीं। नबाब बसई बाईपास के गोल चक्कर पर मोड़ते समय अचानक ऑटो पलट गया, जिससे दोनों महिलाएं घायल हो गईं। हादसे के बाद ऑटो चालक दोनों घायल महिलाओं को लेकर सीएचसी खेरागढ़ पहुंचा, लेकिन उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के बाद मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस के साथ घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।सीएचसी पर प्राथमिक उपचार के बाद परिजन दोनों महिलाओं को बेहतर उपचार के लिए धौलपुर ले गए। बताया जा रहा है कि अनार देवी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जानकारी जुटाने के साथ ऑटो चालक की तलाश में जुटी है।

प्राथमिक विद्यालय की खिड़की तोड़कर चोरी

खेरागढ़। ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय गढ़ीताला में चोरों ने रात के समय खिड़की तोड़कर विद्यालय में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर विद्यालय के कमरे में रखे बक्से और रसोईघर का ताला तोड़कर जरूरी सामान चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर विद्यालय की ओर से थाना खेरागढ़ में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है। विद्यालय की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार 18 अगस्त की रात अज्ञात चोर विद्यालय की खिड़की तोड़कर अंदर दाखिल हुए। इसके बाद कमरे में रखे बक्से तथा रसोईघर का ताला तोड़कर सामान चोरी कर लिया। चोरी गए सामान में नौ लीटर का प्रेशर कुकर, परात, गैस चूल्हा, गैस सिलेंडर, बड़ा ब्लूटूथ स्पीकर, स्टील की आटा रखने की टंकी, चार कुर्सियां, 10 थालियां, 20 गिलास, आठ कटोरियां, 12 भोजन थाल, 12 गिलास वाला चौकोर स्टैंड, स्टील का बड़ा भगोना सहित अन्य सामान शामिल है। विद्यालय प्रशासन ने पुलिस से मामले की जांच कर चोरों का पता लगाने और चोरी हुआ सामान बरामद कराने की मांग की है।

जनसेवा केन्द्र संचालक पर ठगी का आरोप

पिनाहट। आधार सेवा केन्द्र के नाम से चल रहे जन सेवा केन्द्र पर आधार कार्ड में बदलाव करने के नाम पर ठगी करने और फर्जी तरीके से चलाने के मामले में पुलिस से शिकायत की गयी है। मंगलवार को थाना मनसुखपुरा के गांव करकौली निवासी जितेंद्र सिंह ने थाना पिनाहट में तहरीर दी। कि कस्बा स्थित एसबीआई बैंक के सामने आधार सेवा केन्द्र के नाम से संचालित जन सेवा केन्द्र पर आधार कार्ड में कुछ बदलाव करने के नाम पर सात हजार रुपए ले लिए। रुपये लेने के बाद भी जब कोई सुधार नहीं हुआ तो रुपये वापस मांगने पर गुंडागर्दी करते हुए मारपीट पर उतारू हो गया। पीड़ित ने बताया कि जन सेवा केन्द्र किसी और के नाम है। ?जबकि चला कोई और रहा है। ?इस तरह फर्जी तरीके से चलाने का आरोप लगाते हुए शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एत्मादपुर विधानसभा क्षेत्र में किया जनसंपर्क

एत्मादपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र पंडित ने एत्मादपुर विधानसभा (86) के विभिन्न शहरी इलाकों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने पार्टी की नीतियों और समाजवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार कर लोगों से आगामी चुनावों में सहयोग की अपील की। सत्येंद्र पंडित ने क्षेत्र के गुलाब नगर, चंदन नगर, भगवती बाग, शोभा नगर, श्याम नगर, पवन विहार, केके नगर, सती नगर, सीता नगर और राधा नगर का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों और कार्यकताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। गौरतलब है कि सत्येंद्र पंडित ने एत्मादपुर विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के टिकट पर प्रत्याशी बनने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदन के बाद से ही वह क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय हो चुके हैं।

गोवर्धन दर्शन के लिए निकला 20 लोगों का जत्था

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

खेरागढ़। सावन के पावन महीने में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा मंगलवार शाम खेरागढ़ में देखने को मिला। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले की ईसागढ़ तहसील के गांव भैंसरवास से 20 किसानों का जत्था ट्रैक्टर में भोजन और अन्य जरूरी सामान लेकर करीब 450 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर गोवर्धन के लिए निकला है। जत्था खेरागढ़ से कागारौल और किरावली होते हुए गोवर्धन पहुंचेगा। जत्थे में शामिल सुरेंद्र यादव ने बताया कि वे 12 अगस्त की सुबह यात्रा पर निकले थे और बृहस्पतिवार को गोवर्धन पहुंचने की उम्मीद है। वहां गोवर्धन की परिक्रमा लगाने के बाद बिहारी जी के मंदिर में झंडा चढ़ाएंगे और बरसाना पहुंचकर राधारानी के दर्शन करेंगे। इसके बाद सभी श्रद्धालु वापस अपने गांव लौटेंगे। सुरेंद्र यादव ने बताया कि यह उनकी चौथी पैदल गोवर्धन यात्रा है। जत्थे में शामिल सभी लोग किसान हैं और यात्रा के दौरान अपना भोजन स्वयं तैयार करते हैं।

रात में जहां मंदिर मिल जाता है, वहीं विश्राम करते हैं। सुबह करीब चार बजे फिर पैदल यात्रा शुरू कर देते हैं और रात करीब दस बजे विश्राम करते हैं।जत्थे में चंद्रजीत यादव, हरिभान सिंह, राजू यादव, फूल सिंह यादव, देशराज, यशपाल, कुलदीप, संजीव, बिनोद केवट और नन्हे सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हैं।

कोटेदारों का लाभांश 125 रुपये प्रति क्विंटल

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर (आगरा)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के राशन कोटेदारों को एक बड़ा तोहफा दिया है। एत्मादपुर तहसील सभागार में आयोजित एक लाइव प्रसारण कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कोटेदारों के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक धर्मपाल सिंह चौहान मौजूद रहे। लाभांश में हुई भारी बढ़ोतरी मुख्यमंत्री की इस नई घोषणा के बाद अब कोटेदारों को मिलने वाले लाभांश (कमीशन) में सीधे तौर पर बढ़ोतरी कर दी गई है। पहले का कमीशनः 90 रुपये प्रति क्विंटल।

अब नया कमीशनः 125 रुपये प्रति क्विंटल, कोटेदारों को अब प्रति क्विंटल 35 रुपये अधिक मिलेंगे। तहसील सभागार में मौजूद सभी कोटेदारों ने मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एसडीएम सुमित सिंह, तहसीलदार देवेंद्र प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार हरी लाल चौधरी, खंड विकास अधिकारी विजय कुमार अग्रवाल, आपूर्ति निरीक्षक आनंद कुमार सिंह, एवं सभी अधिकारी और सभी कोटेदार मौजूद रहे।

पटाखा फोड़ने वाली बाइकों पर चला पुलिस का डंडा

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

पटाखा फोड़ने वाली बाइकों के खिलाफ थाना फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्यवाही आधा दर्जन वाहनों के खिलाफ की गई। प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि कस्बा फतेहाबाद में बुलेट मोटरसाइकिलों के द्वारा बड़े पैमाने पर पटाखा फोड़े जाने की सूचना मिल रही थी जिसको लेकर फतेहाबाद पुलिस की टीमों के द्वारा बुलेट स्प्लेंडर आदि मोटरसाइकिलों के खिलाफ कार्यवाही की गई है जो पटाखा फोड़ती है। यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। यदि किसी के द्वारा अपनी मोटरसाइकिल में साइलेंसर मॉडिफाई करके लगाए गए हैं। वह बदलवाले अन्यथा उनके खिलाफ भी कार्यवाही होगी। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि बुलेट व स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चेकिंग के दौरान पकड़ी है जो पटाखा फोड़ती है। कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

वेतन कटने पर भड़के टोल कर्मचारी

एचआर पर लगाया अभद्र व्यवहार करने का आरोप

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे स्थित टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों ने वेतन में कटौती और एचआर द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया है। कर्मचारी शिकायत करने थाने पहुंचे और एक शिकायती पत्र सौंपा गया है। कर्मचारियों ने टोल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश जताते हुए जल्द समाधान न होने पर अनशन की चेतावनी दी है।

मंगलवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के टोल कर्मचारी थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि एक्सप्रेसवे की टोल प्रबंधन कंपनी साईं एंड दातार के द्वारा मासिक सैलरी में कटौती को

> **कर्मचारियों का आरोप है कि एचआर ने स्पष्ट कहा कि कंपनी की नीति यही है, वेतन इसी तरह मिलेगा। काम करना है तो करो, वरना नौकरी छोड़कर चले जाओ।**

लेकर बातचीत के लिए टोल प्लाजा पर एचआर से बात करने के लिए गए थे। वहीं कर्मचारियों का आरोप है कि इस दौरान एचआर के द्वारा कर्मचारियों को संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। बदले में कर्मचारियों से अभद्रता की गई। कर्मचारियों का आरोप है कि एचआर ने स्पष्ट कहा कि कंपनी की नीति यही है, वेतन इसी तरह मिलेगा। काम करना है तो करो, वरना नौकरी छोड़कर चले जाओ। कर्मचारियों का कहना है कि एक तरफ सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास कर रही है। दूसरी तरफ टोल प्रबंधन कंपनी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी देकर बेरोजगार कर रहे हैं। कर्मचारियों ने जल्द निस्तारण की मांग की है अन्यथा कर्मचारी अनशन के लिए बाध्य होंगे।

एक्सप्रेसवे टोल प्रबंधक प्रमोद धनगर ने बताया कि कर्मचारियों के साथ वार्ता हुई है। उन्हें बताया गया है कि पहले अतिरिक्त काम करने का पैसा वेतन में जुड़कर आता था। छुट्टियां नहीं मिलती थी। अब कर्मचारियों के द्वारा अतिरिक्त काम नहीं किया जा रहा है तो जो वेतन के हिसाब से भुगतान होना चाहिए। वह हो रहा है।

यमुना में डूबे युवक का 72 घंटे बाद भी सुराग नहीं

फतेहाबाद। थाना डौकी क्षेत्र के वाजिदपुर यमुना पुल से कूदे युवक का 3 दिन से लगातार पीएसी के गोताखोरों की टीम रेस्क्यू अभियान चला रही है। लेकिन 72 घंटे बीत जाने के बाद अभी तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है जहां अभियान अभी भी लगातार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्याप्रसाद पुत्र वीर सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी कूमपुरा थाना निबोहरा विगत रविवार दोपहर 2:00 बजे के करीब पुल से कूद गया था। जिसकी तलाश लगातार तीन दिन से पीएसी के गोताखोरों टीम व स्थानीय गोताखोर यमुना नदी में लगभग 7 किलोमीटर दूर तक उसकी तलाश कर रहे हैं। लेकिन 72 घंटे बीत जाने के बाद भी अभी तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है जहां नदी में पानी का तेज बहाव होने के कारण पीएसी के गोताखोरों की टीम को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं अभियान लगातार जारी है। थानाध्यक्ष डौकी सुनीत कुमार शर्मा ने बताया कि यमुना नदी में डूबे युवक की तलाश लगातार की जा रही है लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है।

वीडियो वायरल करने के आरोप में कार्रवाई की मांग

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

संविलियन विद्यालय कासौटी में 15 अगस्त को आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर कथित रूप से भ्रामक वीडियो वायरल किए जाने का मामला सामने आया है। विद्यालय स्टाफ ने गांव के ही राहुल चौधरी पर विद्यालय परिसर में बाउंड्री वॉल फांदकर प्रवेश करने और कार्यक्रम नहीं होने की बात कहते हुए वीडियो बनाकर फेसबुक पर वायरल करने का आरोप लगाया है। मामले में विद्यालय स्टाफ ने थाना अछनेरा में सामूहिक प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, विद्यालय में 15 अगस्त को सुबह करीब आठ बजे ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

विद्यालय स्टाफ का कहना है कि कार्यक्रम की फोटो और वीडियो उनके पास साक्ष्य के रूप में सुरक्षित हैं। आरोप है कि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद राहुल चौधरी पुत्र जवाहर सिंह निवासी कासौटी ने विद्यालय की बाउंड्री वॉल फांदकर परिसर में प्रवेश किया और वहां वीडियो बनाकर यह दावा किया कि विद्यालय में 15 अगस्त का कार्यक्रम आयोजित नहीं हुआ।

विद्यालय स्टाफ का आरोप है कि उक्त वीडियो को फेसबुक पर अपलोड कर वायरल किया गया, जिससे विद्यालय, बेसिक शिक्षा विभाग और शिक्षकों की छवि प्रभावित हुई। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि वीडियो पर आए कुछ कमेंट्स को हाइड किया गया, जिससे साक्ष्यों से छेड़छाड़ की आशंका जताई गई है।

विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सुजाता सोनी सहित स्टाफ ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र में आरोपी के मोबाइल और पेन ड्राइव की जांच किए जाने की मांग भी की गई है। पुलिस से मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है। विद्यालय स्टाफ ने आरोपों के संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया है।

स्टीमर बंद होने से परेशान ग्रामीण

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

> **बाजार में छाया सूनापन, व्यापारियों में आक्रोश**
>
> **वन विभाग की परमीशन नहीं होने से स्टीमर बंद**

वन विभाग की परमिशन नहीं होने के कारण दो दिन से स्टीमर बंद होने के कारण लोगों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ व्यापार प्रभावित होने के कारण व्यापारियों में भारी नाराजगी है।

वन विभाग की परमिशन नहीं होने के कारण रविवार शाम को पिनाहट चंबल नदी घाट पर स्टीमर संचालन बंद कर दिया गया था। इसके बाद यहां फंसे कांवड़ियों को अन्य राष्ट्रों से मध्य प्रदेश की ओर जाना पड़ा था। इसके बाद से 2 दिन से स्टीमर संचालन लगातार बंद पड़ा हुआ है। मंगलवार को चंबल नदी घाट पिनाहट पर सैकड़ो की संख्या में लोग आवागमन करने के लिए पहुंचे। किंतु स्टीमर संचालन नहीं होने के कारण घंटों इंतजार के बाद उन्हें बैरंग वापस लौटना पड़ा है। बता दें। कि करीब 15 दिन पूर्व परमिशन नहीं होने के कारण भी मध्य प्रदेश प्रशासन द्वारा स्टीमर संचालन रोक दिया गया था। तब से अब तक स्टीमर संचालन करने वाले लोक निर्माण विभाग ने परमीशन नहीं ले पाई है। जिस कारण स्टीमर संचालन रुका हुआ है। रेंजर बाह कुलदीप सहाय पंकज ने बताया परमीशन का काम चल रहा है। बुधवार तक स्टीमर संचालन होने की संभावना है।

झोलाछाप के इंजेक्शन से युवक की मौत

पिनाहट। मनसुखपुरा क्षेत्र के युवक की राजाखेड़ा मे झोलाछाप द्वारा गलत इंजेक्शन लगाए जाने से मौत हो गयी। जिसमें राजाखेड़ा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना मनसुखपुरा, क्षेत्र के गांव जगतूपुरा निवासी रामहरी ने बताया कि उनके पिता रामगोपाल पुत्र उम्र करीब 42 को लगभग 6 दिन पहले तेज बुखार आने पर राजाखेड़ा कस्बा स्थित एक झोलाछाप के क्लिनिक पर गये। जहां झोलाछाप ने 5 दिनों तक भर्ती रखा। और 17 अगस्त की शाम हालत बिगड़ने पर झोलाछाप मरीज को ले जाने के लिए लडाई करने लगा। वहीं कम्पाउन्डर द्वारा उसी समय एक इंजेक्शन लगा दिया गया। जिसके कुछ देर बाद ही रामगोपाल की मौके पर ही मृत्यु हो गयी है। इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद रामगोपाल की मृत्यु हो गयी। वही सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मंगलवार शाम शव के घर पहुंचने पर परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया।

TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper

सीएसआर फंड से बदलेगी कस्तूरबा गांधी स्कूलों की सूरत

- डीएम ने खंदौली ब्लॉक के आवासीय बालिका विद्यालय और कंपोजिट स्कूल उजरई का किया निरीक्षण
- 'बड़े सपने देखो और मेहनत से उन्हें पाओ'- डीएम ने छात्राओं को किया प्रेरित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मंगलवार को खंदौली ब्लॉक में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय उजरई का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने क्लासरूम में बच्चों से संवाद किया। छात्राओं से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, भोजन, दैनिक दिनचर्या, सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से खाने में क्या मिला, गुणवत्ता, सुबह कौन नहीं नहाकर आया, गीजर चल रहा है या नहीं, आपके कपड़े कौन धोता है, कितनी ड्रेस मिली है, किताब मिल गई या नहीं, क्लास में लगी टीवी चलती है या नहीं, इंग्लिश व मैथ के टीचर क्या पढ़ा रहे हैं आदि सवाल किए। जिलाधिकारी को अपने बीच पाकर बच्चों में भी उत्साह देखने को मिला। जल्द ही बच्चे जिलाधिकारी के साथ सहज हो गए। छात्राओं ने जिलाधिकारी के साथ सहज संवाद किया और

सवालों के जवाब दिए। जिलाधिकारी ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए उनसे बड़े सपने देखने, अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर मेहनत करने और कठिन परिश्रम से सफलता हासिल करने का आह्वान किया।

इसके बाद डीएम उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पहुंचे। जहां कक्षा 9 व 10 की छात्राएं अध्ययनरत थी का निरीक्षण किया। क्लास रूम के साथ भौतिक व जीव विज्ञान की प्रयोगशाला, लाइब्रेरी, रसोई, छात्रावास, खेलकूद उपकरण, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, सुरक्षा आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में उच्च स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। बच्चों को प्रायोगिक ज्ञान व प्रतिदिन खेलकूद एक्टिविटी कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने खाने की गुणवत्ता को स्वयं खाकर जांच की। उच्चीकृत विद्यालय की छात्राओं से संवाद करते हुए एचपीवी वैक्सीन के बारे में जानकारी दी तथा सभी से अपने अभिभावकों को इस बारे में बताने तथा वैक्सीनेशन कराने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के निरीक्षण उपरांत उच्च प्राथमिक विद्यालय उजरई (कंपोजिट) पहुंचे। वहां बच्चों को सवाल देकर ब्लैक बोर्ड पर हल भी कराए।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के सभी 13 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड से कार्य किए जाने हेतु कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में आवश्यकतानुसार बुनियादी सुविधाओं, बच्चों हेतु कुर्सी मेज,डिजिटल शिक्षा, और पोषण कार्यक्रमों को बेहतर बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करने, विद्यालय भवन की टूटफूट की मरम्मत,रंगाई पुताई, शौचालय, वॉशरूम आदि की मरम्मत, स्कूल की चारदीवारी और पेयजल की सुविधा, स्मार्ट क्लासरूम, उच्चीकृत कंप्यूटर लैब की व्यवस्था, स्कूलों में शौचालय की मरम्मत, खिड़की, जाली आदि की मरम्मत,हाथ धोने की सुविधा, स्पोर्ट्स सामग्री की सुविधाओं हेतु शीघ्र कार्ययोजना, एस्टीमेट बनाने के दिशा-निर्देश दिए और फंड के उपयोग हेतु पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु नोडल अधिकारी नामित करने, कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सुमित कुमार, डीसी बालिका कुलदीप तिवारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

संकट मोचन के दरबार में गूंजे भजन

भव्य फूल बंगला एवं मनोहारी श्रृंगार के बीच सजी भजन संध्या

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सावन के पवित्र एवं पावन महीने में परम श्रद्धेय आदरणीय श्री गुरु जी को स्मरण करते हुए माल रोड स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर जंगल वाले बाबा के दरबार में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर को भव्य फूल बंगले एवं दिव्य मनोहारी श्रृंगार से सजाया गया। जिसकी छटा देखते ही बन रही थी।

भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक बलवीर सिंह बल्लों जी ने वीर हनुमान एवं प्रभु श्रीराम के एक से बढ़कर एक सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर स्वर लहरियां गूंजते ही श्रद्धालु भक्ति भाव में झूमने और नाचने लगे, पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम एवं जय बजरंगबली के जयघोष से गूंज उठा। सावन की भक्ति में सराबोर श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर बाबा के दर्शन किए और हनुमान जी के

चरणों में शीश नवाकर सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। भव्य श्रृंगार, फूल बंगले और भक्तिमय वातावरण ने पूरे आयोजन को अद्भुत एवं मनोहारी बना दिया। इस अवसर पर महंत योगेश प्रकाश भारद्वाज, समाजसेवी श्याम भोजवानी, माधव भारद्वाज, अमित कपूर, अजय सिसोदिया, गोपाल शुक्ला, पंकज भाई, रामनिवास गुप्ता, अमित, मनोज गुप्ता, टीकम सिंह, रंजीत सिसोदिया, संजय कोहली सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर स्मृति संगीत संध्या आयोजित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

संगीत को जन जन तक पहुंचाने का दुष्कर कार्य करने वाले इस युग के संगीत भगीरथ पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर की जयंती पर साहित्य संगीत संगम के द्वारा पर उनकी स्मृति संगीत संध्या का आयोजन ग्रीन हाउस भोगीपुरा आगरा पर किया गया।

आयोजन की अध्यक्षता आगरा कालेज की संगीत विभाग की प्रोफेसर आन्शवना सक्सेना ने की। मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग विजय सिंह मौजूद रहे। सुशील सरित ने बताया कि सन 1872 में आज ही के दिन उनका जन्म महाराष्ट्र के बेलगांव में हुआ था और उन्होंने शास्त्रीय संगीत को उसका स्थान दिलाने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। चंद्रशेखर शर्मा ने कहा कि इस युग के दो संगीत महारथी हैं भातखंडे

जी और पलुस्कर जी दोनों के बिना शास्त्रीय संगीत ने आज जो विश्व में स्थान प्राप्त किया है वह प्राप्त करना संभव नहीं था। अध्यक्ष प्रोफेसर आन्शवना, नेहा बागड़ी की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अतिथियों का स्वागत सुधीर शर्मा ने किया।

पूजा तोमर ने राग जयवंती में भजन प्रस्तुत किया। हरीश अग्रवाल, हरीश भदोरिया, रुपेश मल्होत्रा, डॉ असीम आनंद, डॉक्टर नीरज स्वरूप, नीलेंद्र श्रीवास्तव, नीलम शर्मा, अक्षय, संगीता सिंह आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समारोह का संचालन सुशील चरित ने किया। धन्यवाद ज्ञापन नेहा बागड़ी ने किया।

रास्ते और मंदिर की भूमि पर कब्जे का आरोप

खेरागढ़। तहसील क्षेत्र के गांव होलीपुरा बघोर में रास्ते और मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी को शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीण कालीचरण द्वारा मंगलवार को दी शिकायत अनुसार गांव बाधौर में रास्ते तथा मंदिर की भूमि पर कुछ रसूखदार लोगों द्वारा कथित रूप से कब्जा किए जाने का आरोप लगाया गया है। मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित है, जहां ग्रामीण पूजा अर्चना करते हैं। रास्ते और मंदिर की भूमि पर कब्जे के चलते ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीण ने एसडीएम से राजस्व विभाग एवं पुलिस टीम के माध्यम से मौके की जांच कराकर कथित अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है। एसडीएम नरेंद्र गंगवार ने संबंधित राजस्व निरीक्षक को मामले की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

दिव्यांग छात्रों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का संकल्प

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता की सीमा नहीं, बल्कि उसकी अंतर्निहित प्रतिभा और दृढ़ इच्छाशक्ति को पहचानने का अवसर है। समाज को दिव्यांगता को दैवीय कार्य के लिए ईश्वरीय वरदान के रूप में देखते हुए दिव्यांगजनों को समान अवसर, सम्मान और सहयोग प्रदान करना चाहिए। दिव्यांगों में अनंत संभावनाएं होती हैं और उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर इतिहास रचा है।

यह विचार राज्यपाल द्वारा सर्वोत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित आरबीएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. विजय श्रीवास्तव ने 16 अगस्त रविवार को दिव्यांग सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सेठ पदमचंद जैन खंदारी परिसर में

अयोजित ह्यबेसहारों का सहाराह्व कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन माता-पिता के वात्सल्य से वंचित छात्र-छात्राओं को शिक्षा की छत्रछाया प्रदान करने तथा उनके मनोबल एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर बृजेश कुमार रावत निदेशक सेट पदमचंद सेठ इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट खंदारी एवं बीपी सिंह जिला विद्यालय निरीक्षक आगरा उपस्थित रहे

प्रो. विजय श्रीवास्तव ने बताया कि आरबीएस कॉलेज में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अनुकूल एवं सुलभ वातावरण तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विशिष्ट अतिथि एवं भारत सरकार के फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग विकास परिषद के चेयरमैन तथा उद्योगपति पूरन डाबर ने कहा कि समाज की प्रगति तभी संभव है, जब विकास की धारा में प्रत्येक व्यक्ति को साथ लेकर चला जाए। चिकित्सक एवं उद्योगपति डॉ. रंजना बंसल ने शिक्षा के दायरे को और अधिक व्यापक बनाने पर बल दिया।

दिव्यांग सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट, आगरा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के संरक्षक रामशरण मित्तल और संस्था अध्यक्ष डॉक्टर ज्ञान प्रकाश मौजूद रहे ' संचालन श्रुति सिन्हा ने किया ' ट्रस्ट के कार्यों की रिपोर्ट डॉक्टर मुनीश्वर गुप्ता और प्रकल्प की रिपोर्ट नितिन चौधरी ने प्रस्तुत की' धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर श्रीकांत कुलश्रेष्ठ ने किया' ट्रस्ट के संस्थापक डॉ वीरेंद्र कुमार गुप्ता, सुनील विकल्प, सुनील अग्रवाल, आनंद खंडेलवाल, नेशनल चैंबर के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण गोयल, हरीश चावला, मुरारीलाल गोयल आदि।

आगरा सहित कई शहरों में आयकर के छापे

सीएसआर खातों में गड़बड़ी को लेकर जांच, सीए भी आए दायरे में

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने मंगलवार को शहर में वित्तीय प्रबंधन कंपनी से जुड़े लोगों पर छापेमारी की। इनमें कुछ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के यहां भी सर्च टीम ने छापेमारी की। बताया गया है कि आयकर टीमों ने आगरा के अलावा कानपुर, मुंबई और राजस्थान के कुछ शहरों में भी छापेमारी की है।

गौरतलब है कि कुछ माह पहले आयकर विभाग ने आगरा, मथुरा, अलीगढ़ समेत कई शहरों में छापेमारी करते हुए जेएसएस ट्रस्ट के कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) खातों में बड़ी वित्तीय गड़बड़ियां पकड़ी थीं। कंपनी पर सीएसआर के नाम पर विदेशों में भी वित्तीय लेन-देन के आरोप लगे थे। माना जा रहा है कि उन्हीं पुराने कनेक्शनों के आधार पर ताजा छापे मारे गए हैं। कंपनी पर कारोबार से जुड़ी आय को सही तरह से आयकर रिटर्न में न दिखाने और बड़ी हेरफेर की आशंका है।

सूत्रों का कहना है कि इसी सिलसिले में आगरा के कंपनी से जुड़े एक चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के कालामहल स्थित परिसर पर भी छापेमारी की गई। शहीद नगर स्थित कुछ सीए के यहां भी जांच होने की चर्चा है।

जांच टीमें वित्तीय दस्तावेज खंगालने में जुटी हैं। सभी नए-पुराने रिकॉर्ड चेक किए जा रहे हैं। मुंबई और राजस्थान में भी भेजी गई टीमों से समन्वय बनाया जा रहा है। जांच जारी रहने के कारण आयकर अधिकारी अभी आधिकारिक तौर पर कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। माना जा रहा है कि यह जांच लंबी खिंच सकती है।

रोडवेज आंदोलन को मिला बड़ा समर्थन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

रामबाग स्थित मजदूर भवन पर लक्ष्मी नारायण शर्मा जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल जनपद आगरा की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल से सम्बद्ध भवन निर्माण संगठन, अखिल भारतीय असंगठित कर्मचारी मजदूर यूनियन, जिला ट्रेड यूनियन (इंटक), महिला आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन, पीडब्लूडी कर्मचारी यूनियन, एमईएस वर्क्स यूनियन, एसएन

मेडिकल कर्मचारी यूनियन, नगर निगम मजदूर यूनियन, सिंचाई विभाग, नलकूप विभाग, जल निगम, बिजली विभाग, यूपी रोडवेज इम्प्लॉइज यूनियन, रोडवेज कर्मचारी कल्याण संघ, प्रीपेड टैक्सी ड्राईवर यूनियन आदि संगठन के मुख्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल के महामंत्री शरीफ खान ने बैठक का संचालन किया। क्षेत्रीय प्रबंधक आगरा कार्यालय परिसर स्थित मंदिर पर सोमवार को उपवास रखने एवं आन्दोलन का निर्णय लिया गया। सभी विभागों के ट्रेंड यूनियन प्रतिनिधियों ने महामंत्री की भावनाओं पर गम्भीरता से विचार कर सभापति लक्ष्मी नारायण शर्मा के समक्ष कर्मचारी हित में यूपी रोडवेज इम्प्लॉइज यूनियन आंदोलन को समर्थन करने पर जोर दिया। बैठक में सत्य नारायन शर्मा, भगवान सिंह सोलंकी, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, प्रेमलता सिंह, राकेश कुमार राजपूत, जगदीश प्रसाद, धर्मजीत सिंह, राकेश कुमार शर्मा, रामकिशन, महेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से किशोरी झुलसी

जन सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग

टीएनएफ टुडे, बरहन।

थाना क्षेत्र के नगला जसूआ में 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक किशोरी के झुलसने की घटना सामने आई। सूचना मिलते ही किसान नेता एवं समाजसेवी विश्वकान्त मिश्रा मौके पर पहुंचे और पीड़िता का हाल जाना। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होने से बच गया।

ग्रामीणों ने बताया कि हाईटेंशन तार कई मकानों के छज्जों और दीवारों के बेहद करीब हैं, जिससे हर समय जनहानि का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार पूर्व में कई पशु भी करंट की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं और विद्युत विभाग को कई बार अवगत कराने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वकान्त मिश्रा ने तत्काल विद्युत विभाग के अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर हाईटेंशन तारों को सुरक्षित दूरी पर स्थानांतरित करने तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने ग्रामीणों को शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है। किसी बड़े हादसे का इंतजार किए बिना खतरनाक विद्युत लाइनों को चिन्हित कर उनका स्थायी समाधान किया जाना चाहिए। मामले में आगे भी कार्रवाई की लगातार निगरानी की जाएगी।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर पहुंची नगर पंचायत में बंद कैमरों की शिकायत

पिनाहट। नगर पंचायत पिनाहट में सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के बंद पड़े होने की शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की गई है। शिकायतकर्ता सभासद प्रशांत तिवारी ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत में लगे अधिकांश कैमरे बंद हैं, जिससे कस्बे की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

शिकायतकर्ता ने नगर पंचायत के अधिकारियों, अध्यक्ष और कैमरा ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच कराने की मांग की है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कैमरे बंद होने के बावजूद संबंधित ठेकेदार को नगर पंचायत के विकास कार्यों का ठेका दिया जा रहा है।

गुढ़ड़ी का लाल बनेगा ग्राम पंचायत अधिकारी

पिढौरा। अंबेडकर पुरा पिढौरा निवासी अनिल कुमार पुत्र रामजीत सिंह ने अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष के दम पर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बेहद साधारण एवं गरीब परिवार में जन्मे अनिल कुमार ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद हिम्मत नहीं हारी और लगातार मेहनत करते हुए पहले रेलवे में नौकरी हासिल की। इसके बाद भी उन्होंने अपनी पढ़ाई और मेहनत जारी रखी। अब उनकी मेहनत रंग लाई और उनका चयन ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर हो गया है। अनिल कुमार की इस सफलता से उनके परिवार सहित समस्त पिढौरा क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अनिल कुमार की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। उन्होंने साबित कर दिया कि मेहनत, लगन और मजबूत हौसले के आगे गरीबी भी सफलता की राह नहीं रोक सकती। ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर चयन होने पर क्षेत्रवासियों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने अनिल कुमार पुत्र रामजीत सिंह को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कैंट स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से यात्री की मौत

आगरा। कैंट रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में जीटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 पर हुआ। ट्रेन की चपेट में आने के बाद यात्री की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के सागर निवासी श्रीराम के रूप में हुई है। जीआरपी को उसकी जेब से मिले आधार कार्ड के जरिए मृतक की पहचान के बारे में जानकारी मिली। इसके अलावा उसकी जेब से टीकेडी से बीना तक की रेलवे टिकट भी बरामद हुई है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, जीआरपी अधिकारियों का कहना है कि अभी आत्महत्या की पुष्टि नहीं हुई है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा सकती है। ताकि घटना से पहले यात्री की गतिविधियों और हादसे की वास्तविक वजह का पता लगाया जा सके। जीआरपी ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही मृतक के परिजनों को सूचना देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

‘दिमागी नक्सली’ यानी सियासी तापमानी शब्द

लालकिले की प्राचीर से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इसे अपनी सरकार की उपलब्धि के रूप में गिनाया भी। हाल ही में सफल माने जा रहे काकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में पीछे से वामपंथी उग्रवाद समर्थक ताकतों के हाथ की चर्चाएं रहीं। बीस जुलाई के संसद मार्च के दिन हुई हिंसा के पीछे दिल्ली पुलिस पेशेवर अपराधियों के साथ ही वामपंथी संगठनों के हाथ को भी मान रही है। सरकार का मानना है कि हथियार बंद नक्सलियों को पहचानना और उनका मुकाबला आसान है, बनिस्बत समाज के बीच उनकी जैसी मानसिकता का सामना आसान नहीं है। वैसे विपक्षी दलों को एतराज है कि इस बहाने प्रधानमंत्री और उनकी सरकार का विरोध करने वालों को दिमागी नक्सली कहकर किनारे करने की कोशिश होगी। उनका तर्क है कि इसके जरिए लोकतंत्र की खासियत ह्यलोकतांत्रिक विरोधह्ण के अधिकार को भी बाधित किया जा सकता है। फिर लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जिस तरह इन शब्दों को लेकर सरकार पर जवाबी हमला बोला है, उससे साफ है कि आने वाले दिनों में ये दोनों शब्द चर्चा में ही नहीं रहेंगे, बल्कि सियासी तापमान को बढ़ाए रखने का बड़ा जरिया होंगे। सुरक्षा और विकास की साझी रणनीति के तहत सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ पुलिसिंग, कनेक्टिविटी, वित्तीय समावेश और आजीविका में लगातार निवेश किया, गया। इसके तहत 2014 के बाद नक्सली इलाकों में 594 थाने, 408 नए सुरक्षा कैंप और 12,211 किलोमीटर लंबी सड़कें बनाई गईं। इससे वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों में राज्य की मौजूदगी बढ़ी। वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों में संचार कनेक्टिविटी, बैंकिंग ढांचा, डाकघर,आईटीआई, कौशल विकास केंद्र और पुनर्वास नीतियों का जमकर विस्तार किया गया। इससे आर्थिक अवसर पैदा हुए और पूर्व माओवादी कैडरों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रोत्साहन मिला। वैसे दिमागी नक्सली कोई नए शब्द नहीं है। करीब दशक भर पहले फिल्मकार विवेक अग्निहोत्री ने इसी तरह अर्बन नक्सली शब्द का इस्तेमाल किया था। तब से वामपंथी हिंसा का विरोधी मानस इन शब्दों का खुलकर प्रयोग करता रहा है। वह मानता रहा है कि देश में जब भी अराजक परिस्थितियां बनती हैं, उसके पीछे अर्बन नक्सलियों की ही सोच काम करती है। कह सकते हैं कि दिमागी नक्सली शब्द ने उन्हीं शब्दों को नई पहचान दे दी है। देश का अधिसंख्य बौद्धिक समाज शायद ही इससे इत्तेफाक रखता हो, लेकिन अतीत में यह वर्ग ‘दबाव समूह’ के रूप में काम करता रहा है। छह अप्रैल 2020 को दंतेवाड़ा में घात लगाकर नक्सलियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 75 और छत्तीसगढ़ पुलिस के एक सवाल को बारूदी सुरंगों से उड़ा दिया था। इस घटना के बाद देश का बड़ा वर्ग सदमे में था। तत्कालीन मनमोहन सरकार ने नक्सलियों को सबक सिखाने के लिए सैनिक कार्रवाई करने की ठान ली थी। उस दौरान भी दिमागी नक्सलियों को विश्वविद्यालयों और दूसरे संस्थानों में चिन्हित करने की प्रक्रिया चली थी। लेकिन शहरों में वामपंथी उग्रवाद के समर्थक लोगों के प्रबल विरोध के चलते मनमोहन सरकार सैनिक कार्रवाई से पीछे हट गयी थी। हालाकि इस घटना के तीन साल एक महीने बाद 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ की झीरम घाटी में घात लगाकर नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तकरीबन समूचे नेतृत्व को उड़ा दिया था। लालकिले की प्राचीर से होने वाले प्रधानमंत्री के सालाना संबोधन पर चचाएँ और बहसें होना कोई नई बात नहीं है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री द्वारा प्रयुक्त दो शब्दों ‘दिमागी नक्सल’ ने चर्चाओं की तासीर बढ़ा दी है। ऐसा नहीं कि इन शब्दों के संजीदापन को प्रधानमंत्री नहीं जानते होंगे। प्रधानमंत्री द्वारा इन शब्दों के प्रयोग के पीछे दो वजहे साफ नजर आती हैं। दरअसल इस बहाने प्रधानमंत्री देश के उस वर्ग की तरफ दिलाना चाहते हैं, जिसकी नजर में उनकी और उनकी सरकार का हर कदम गलत और दकियानूसी है। दूसरी वजह, अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं को नए उत्साह से भरना है, जो हालिया कुछ घटनाओं से किंचित निराश हैं।

भारत में विपक्षी दलों की 'बेचैनी'

ट्रंप की ओर से ज्ञानेश कुमार की प्रशंसा भारत में विपक्षी दलों को इसलिए भी नहीं पच रही क्योंकि वह संसद में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के अलावा उनके खिलाफ तमाम राजनीतिक आरोपों से लेकर निजी आक्षेप तक लगा चुके हैं। बदले हालात में विपक्ष यह तर्क दे रहा है कि किसी विदेशी नेता की प्रशंसा से भारत के भीतर चुनाव आयोग को लेकर उठे सवाल खत्म नहीं होते। विपक्ष विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर की कवायद और मतदाता सूचियों में कथित विसंगतियों को लेकर अपने आरोपों पर भी कायम है।

उधर, ज्ञानेश कुमार की सार्वजनिक छवि अब दो बिल्कुल विपरीत खेमों में बंटी दिखाई दे रही है। सत्ता समर्थक और तटस्थ वर्ग उन्हें ऐसी चुनावी व्यवस्था के संचालक के रूप में देख रहा है जिसकी विशालता और तकनीकी क्षमता दुनिया के लिए उदाहरण है। वहीं आलोचक अब भी कह रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा घरेलू विवादों को मिटा नहीं सकती। वैसे भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर रहने वाले विपक्षी दलों को यह समझना होगा कि अपनी हार के कारणों पर मंथन करने की बजाय भारतीय चुनाव आयोग पर ही सारा ठीकरा फोड़ देने से उन्हें सफलता नहीं मिलेगी। भारतीय निर्वाचन आयोग की पूरी दुनिया में साख है जोकि विपक्ष के राजनीतिक आरोपों से खराब नहीं होगी। भारत की चुनावी ताकत का वैश्विक पहलू बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय चुनाव आयोग के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण और लोकतांत्रिक प्रबंधन कार्यक्रमों के जरिए सौ से अधिक देशों के चुनाव अधिकारियों को मतदाता पंजीकरण, मतदान केंद्र प्रबंधन, महिला भागीदारी और सुरक्षित तकनीक के प्रशिक्षण का लाभ मिला है। भारतीय चुनाव आयुक्तों ने अतीत में कंबोडिया, यूगोस्लाविया, नामीबिया तथा अन्य तमाम देशों में चुनावी व्यवस्थाओं में भी सहायता की है। यही नहीं, भारत की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और फोटो पहचान आधारित व्यवस्था को भी कई विकासशील देशों ने उपयोगी माना है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र की ओर से अक्सर विभिन्न देशों में चुनाव के दौरान भारतीय निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा जाता है जोकि गौरव की बात है। बहरहाल, एक ओर दुनिया भारत के चुनाव मॉडल को लोकतंत्र की ताकत मान रही है, दूसरी ओर देश के भीतर उसी व्यवस्था पर सबसे तीखा सियासी हमला जारी है। आने वाले समय में असली लड़ाई केवल मतदाता पहचान की नहीं होगी, बल्कि इस सवाल की होगी कि चुनाव आयोग पर जनता का भरोसा किसके तर्क से बनेगा और किसके आरोप से टूटेगा।

-अनाम

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

“ यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे।

○ ललित गर्ग

संसदीय मयार्दाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।

अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है।

आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक-एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें? क्या हम अपनी असहमति को इतनी गरिमा दे पाए हैं कि विरोध भी हो और संवाद भी बना रहे? क्या हम सत्ता को इतनी विनम्रता और विपक्ष को इतना विवेक दे पाए हैं कि दोनों मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करें? इन प्रश्नों के उत्तर केवल संसद भवन के भीतर नहीं खोजे जाने चाहिए। राजनीतिक दलों के नेतृत्व, सांसदों, संसदीय कार्यप्रणाली और अंततः हम नागरिकों-सभी को इस पर विचार करना होगा। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में कितनी बार उपस्थित रहा, कितने प्रश्न पूछे, कितनी बहसों में भाग लिया और राष्ट्र के लिए क्या सार्थक योगदान दिया। लोकतंत्र केवल पांच वर्ष में एक बार वोट देने से मजबूत नहीं होता, लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता अपने प्रतिनिधियों से निरंतर जवाब मांगती है। हंगामा किसी दल की विजय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की सामूहिक पराजय है। संसद चलेगी तो प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रश्न पूछे जाएंगे तो सरकार जवाब देगी, जवाब मिलेगा तो नीतियों की समीक्षा होगी और सार्थक कानून बनेंगे। यही लोकतंत्र की जीवन-धारा है।

नई पीढ़ी को भा रही है धर्म की राहः पहले बुढ़ापे में होती थी तीर्थ यात्रा और अब चाहे जब!

सुबह की ठंडी हवा में घंटियों की आवाज गूंजती है। दूर तक युवाओं के जत्थे दिखाई देते हैं। किसी के कंधे पर कांवर है, कोई नंगे पांव परिक्रमा कर रहा है, तो कोई दोस्तों के साथ भजन गाते हुए पहाड़ चढ़ रहा है। मोबाइल जेब में है, सेल्फी भी चल रही है और भगवान का नाम भी।

यही भारत की नई तीर्थयात्रा है।

धर्म अब केवल बुजुर्गों की चिंता नहीं रहा। आज का युवा मंदिर जा रहा है, परिक्रमा कर रहा है, कांवर उठा रहा है और कठिन यात्राओं में शामिल हो रहा है। मगर उसकी यात्रा का मकसद केवल पूजा नहीं है। इसमें आध्यात्मिक सुकून, सांस्कृतिक पहचान, दोस्ती, रोमांच और घूमने-फिरने का आनंद भी शामिल है। यानी आस्था और पर्यटन का नया मेल सामने आ रहा है। बीयर के साथ भांग भी!

चारधाम, अमरनाथ, वैष्णो देवी, करौली माता यात्रा, श्री बांके बिहारी, नाथद्वारा दर्शन, सबरीमाला, वृंदावन और गोवर्धन की परिक्रमा में युवाओं की मौजूदगी अब आम बात है। सावन में गंगा जल लेकर शिव मंदिरों की ओर बढ़ते कांवरियों के जत्थों में बड़ी संख्या युवा चेहरों की होती है।

लड़कियां भी शामिल हो रहीं हैं। मैसूर, ऋषिकेश के योग केंद्रों में गोरे विदेशियों के साथ भारतीय युवजन भी आस्था और नवपुरातन संस्कृति में डुबकी लगा रहे हैं!

इसे केवल धार्मिक उत्साह कहकर नजरअंदाज करना आसान होगा। मगर तस्वीर इससे कहीं बड़ी है।

धर्म की ओर क्यों लौट रहा है युवा?

आधुनिक जीवन ने सुविधाएं तो खूब दी हैं, लेकिन सुकून कम कर दिया है। नौकरी का दबाव, प्रतियोगिता, सोशल मीडिया की लगातार हलचल, रिश्तों में दूरी और अकेलापन युवा मन को थका रहे हैं।

ऐसे में मंदिर, आश्रम और तीर्थस्थल एक अलग दुनिया देते हैं। कुछ दिन मोबाइल और दफ्तर से दूरी, सुबह जल्दी उठना, पैदल चलना, भजन सुनना और हजारों लोगों के साथ समय बिताना मन को राहत देता है।

धर्म का यह नया आकर्षण युवाओं की पहचान से भी जुड़ रहा है। अपनी जड़ों, परंपराओं और संस्कृति को करीब से देखने की इच्छा बढ़ी है।

सोशल मीडिया ने भी इसे हवा दी है। यात्रा की तस्वीरें, रील और वीडियो दूसरे युवाओं को भी इन रास्तों पर खींच रहे हैं। एक तरह से धार्मिक यात्रा अब आस्था के साथ अनुभव की यात्रा बन रही है।

तीर्थ या थेरेपी?

लंबी पैदल यात्रा शरीर को सक्रिय रखती है। नियमित दिनचर्या मन को कुछ अनुशासन देती है। सामूहिक भजन और प्रार्थना अकेलेपन को कम कर सकते हैं।

गोवर्धन की 21 किलोमीटर परिक्रमा हो या सबरीमाला की कठिन चढ़ाई, शरीर पसीना बहाता है और मन एक लक्ष्य पर टिकता है। यात्रा पूरी होने के बाद मिलने वाला संतोष कई यात्रियों के लिए खास अनुभव बन जाता है।

कुंभ, माघ मेला और बड़े धार्मिक आयोजनों में भी सामूहिक स्नान, ध्यान, हवन, उपवास और भजन जैसी गतिविधियां लोगों को एक साझा माहौल देती हैं। कई लोगों को ऐसी यात्राओं के बाद मन हल्का और अधिक शांत महसूस होता है।

इसीलिए ‘पिलग्रिमेज थेरेपी’ की बात होने लगी है। हालांकि इसे किसी बीमारी का इलाज मानना सही नहीं होगा। मानसिक बीमारी होने पर डॉक्टर की सलाह और उपचार जरूरी है। लेकिन तनाव और रोजमर्रा की मानसिक थकान से राहत के लिए आध्यात्मिक वातावरण मददगार हो सकता है।

युवाओं की बढ़ती धार्मिक भागीदारी भारतीय समाज में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। धर्म अब निजी पूजा तक सीमित नहीं है। वह पहचान, सामाजिक जुड़ाव और सामूहिक उत्सव का हिस्सा बन रहा है।

कांवर यात्रा इसका बड़ा उदाहरण है। हजारों युवा एक साथ चलते हैं। रास्ते में संगीत है, नारे हैं, भोजन और सेवा शिविर हैं। दोस्ती है और सामूहिक जोश भी है। इसी तरह वृंदावन और गोवर्धन में युवा भक्ति के साथ यात्रा का आनंद लेते हैं। मंदिर दर्शन के बाद बाजार, स्थानीय भोजन, संगीत और सांस्कृतिक स्थलों का अनुभव भी यात्रा का हिस्सा बन जाता है।

इंस्टा रील बनाने की धुन ने भी इस ट्रेंड को लोकप्रिय बनाया है। सोशल मीडिया पर धर्म, आस्था से जुड़े विडियोज की बाढ़ आ गई है। हर त्यौहार एक महा सेलिब्रेशन, अक्रॉस इंडिया बन चुका है।

तीर्थयात्रा अब बड़ा कारोबार भी है। होटल, धर्मशालाएं, टैक्सी, बसें, फूल, प्रसाद, पूजा सामग्री, स्थानीय भोजन और हस्तशिल्प से हजारों लोगों की रोजी जुड़ी है।

तिरुमला तिरुपति, वैष्णो देवी, शिरडी, काशी, वृंदावन और अयोध्या जैसे केंद्रों ने आसपास की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार दी है। बड़े धार्मिक आयोजनों में रेलवे, परिवहन, होटल और छोटे दुकानदारों को भी फायदा मिलता है।

डिजिटल दुनिया ने इसे और आसान बना दिया है। ऑनलाइन दर्शन, डिजिटल दान, पूजा बुकिंग और धार्मिक ऐप युवाओं को सुविधा दे रहे हैं। सरकार भी धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। PRASAD जैसी योजनाओं का उद्देश्य तीर्थस्थलों की सुविधाएं और बुनियादी ढांचा बेहतर करना है। लेकिन विकास का मतलब केवल चमकदार गलियां और बड़े कॉरिडोर नहीं होना चाहिए। साफ पानी, स्वच्छ शौचालय, सस्ता ठहराव, सुरक्षित रास्ते और कचरा प्रबंधन भी उतने ही जरूरी हैं।

बढ़ती धर्मयात्राओं का एक दूसरा पहलू भी है। जब आस्था पर्यटन और बाजार से जुड़ती है, तो खतरा रहता है कि श्रद्धा कहीं केवल कारोबार न बन जाए। युवाओं को धार्मिक यात्रा में जगह मिलना अच्छी बात है। लेकिन धर्म के नाम पर नफरत, दिखावा और अंधविश्वास बढ़ना चिंता की बात होगी।

तीर्थ का मतलब केवल भीड़ बढ़ाना नहीं है। इसका मतलब मनुष्य को भीतर से बेहतर बनाना भी है।

युवा अगर मंदिर जा रहा है, तो उसे करुणा, सहिष्णुता और सेवा भी सीखनी चाहिए। अगर वह परिक्रमा कर रहा है, तो रास्ते में पड़े कूड़े को देखकर आंखें नहीं मूंदनी चाहिए। अगर वह नदी में स्नान कर रहा है, तो उसी नदी को गंदा करने से भी बचना चाहिए।

यही असली धार्मिकता होगी।

मंदिर तक जाने वाला रास्ता भीतर भी जाता है

भारत में तीर्थयात्रा का पुराना रास्ता फिर जवान हो रहा है। कांवर उठाते कंधे, पहाड़ चढ़ते कदम और परिक्रमा करते युवा इसके गवाह हैं। आज का युवा शायद मोक्ष की तलाश में नहीं निकला है। वह सुकून खोज रहा है। वह अपनी जड़ों को समझना चाहता है। दोस्तों के साथ यात्रा करना चाहता है। कुछ दिन जिंदगी की भागदौड़ से दूर रहना चाहता है। और हां, वह घूमना भी चाहता है। इसलिए नई तीर्थयात्रा में धर्म भी है, पर्यटन भी; आस्था भी है और आनंद भी; शरीर की मेहनत भी है और मन की तलाश भी।

सवाल यह नहीं कि युवा धर्म की ओर क्यों लौट रहा है। बड़ा सवाल यह है कि धर्म उसे किस दिशा में ले जा रहा है। अगर यह यात्रा उसे अधिक संवेदनशील, स्वस्थ, अनुशासित और सहिष्णु बनाती है, तो शायद तीर्थ सचमुच एक तरह की देसी थेरेपी बन सकता है। पुरानी कहावत हैः चलते रहो, रास्ता खुद रास्ता दिखाएगा। शायद भारत के ये प्राचीन तीर्थमार्ग आज के युवा को यही रास्ता दिखा रहे हैं; भगवान तक पहुंचने का ही नहीं, बल्कि खुद तक लौटने का भी।

-ब्रज खण्डेलवाल

सितारों की चालः आपका भविष्यफल

दिनांक 20 अगस्त 2026 गुरुवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मिथुन कर्क वृश्चिक धनु कुंभ और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल आध्यात्मिक प्रभाव और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु तथा ज्ञान के कारक देवगुरु बृहस्पति की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र और फलदायी माना जाता है। आज के दिन पीले पुष्प चने की दाल तथा गुड़ अर्पित कर विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से जीवन में असीम ज्ञान ऐश्वर्य पारिवारिक समरसता और धर्म कार्य में स्थायी सफलता प्राप्त होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में अधिक कार्यभार के कारण शारीरिक थकान महसूस हो सकती है इसलिए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। वित्तीय मामलों में जल्दबाजी में निर्णय न लें और अनुभवी वरिष्ठ लोगों की सलाह लेकर ही नया पूंजी निवेश करें। भगवान विष्णु के मंदिर में चने की दाल भेंट करें जिससे आपके सभी आर्थिक संकट दूर होंगे।

वृष

आज आपको अपने पुराने सहयोगियों के माध्यम से व्यवसाय में नवीन अवसर प्राप्त होंगे जिससे मन में नया उत्साह पैदा होगा। परिवार में किसी शुभ कार्य की योजना बनेगी और परस्पर प्रेम भाव और सौहार्द में अपार वृद्धि होगी। मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं जिससे आपके अटके हुए सभी काम आसानी से पूरे होंगे।

मिथुन

आज आपकी प्रखर बुद्धि और कौशल के कारण रुके हुए प्रशासनिक कार्य गति पकड़ेंगे और कार्यस्थल पर आपकी अलग पहचान बनेगी। अचानक किसी दूर स्थान की यात्रा का योग बन रहा है जो भविष्य में आपके व्यापारिक विकास हेतु लाभप्रद सिद्ध होगी। श्री हरि विष्णु की आरती करें जिससे जीवन के सभी कष्ट और नकारात्मक शक्तियां समाप्त होंगी।

कर्क

आज आपका आर्थिक पक्ष अत्यधिक मजबूत रहेगा और संचित धन में वृद्धि होने से मानसिक संतोष और प्रसन्नता मिलेगी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी एकाग्रता के बल पर बहुत सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। किसी निर्धन बालक को पाठ्य सामग्री का दान करें जिससे आपके यश और कीर्ति का विस्तार होगा।

सिंह

आज आपको कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाकर काम करने की आवश्यकता है जिससे अनावश्यक विवादों से बचाव संभव होगा। लेन देन से जुड़े मामलों में पूरी सावधानी बरतें और किसी पर भी अंधा भरोसा करने से बचें। केले के वृक्ष में जल अर्पित करें जिससे आपके जीवन में सुख और समृद्धि बनी रहेगी।

कन्या

आज व्यापारिक गतिविधियों में अप्रत्याशित लाभ होने की संभावना बन रही है जिससे आपकी पुरानी योजनाएं सफलता पूर्वक क्रियान्वित होंगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों का आप पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे और जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। गुरु मंत्र का जाप करें जिससे आपकी निर्णय क्षमता और विवेक में वृद्धि होगी।

तुला

आज कला रचनात्मकता और बौद्धिक कार्यों से जुड़े जातकों को समाज में विशिष्ट स्थान और सम्मान की प्राप्ति होगी। पुराने समय से चला आ रहा कोई पारिवारिक विवाद आज आपसी बातचीत के माध्यम से सुलझ जाएगा। किसी धार्मिक स्थल पर पीली वस्तु का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

वृश्चिक

आज आपका पराक्रम और कार्य कुशलता चरम पर रहेगी जिससे आप कठिन चुनौतियों का सामना भी बहुत सरलता से कर लेंगे। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नए पद की प्राप्ति की शुभ सूचना मिल सकती है जिससे मन प्रफुल्लित रहेगा। विष्णु सहस्त्रनाम का वाचन करें जिससे आपके सभी शत्रु स्वतः शांत हो जाएंगे।

धनु

आज आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आपको आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में साझेदारी के नए प्रस्ताव मिल सकते हैं जो आगे चलकर अत्यंत लाभदायक सिद्ध होंगे। मंदिर में केसर का दान करें जिससे आपकी यश प्रतिष्ठा और संपत्ति में निरंतर वृद्धि होगी।

मकर

आज स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है और बाहर के भोजन से परहेज करना आपके हित में रहेगा। व्यापार में अपनी योजनाओं को गुप्त रखें और सोच समझकर ही कोई नया वित्तीय अनुबंध करें। भगवान श्री हरि को पीले पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी सभी बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज दांपत्य जीवन में अपार मधुरता रहेगी और जीवनसाथी की सलाह से किया गया कार्य आपको भारी सफलता दिलाएगा। व्यावसायिक संपर्क सूत्रों का विस्तार होगा और लंबे समय से रुका हुआ धन आज वापस प्राप्त हो सकता है। पक्षियों को दाना डालें जिससे आपकी मानसिक चिंताएं और भय दूर होंगे।

मीन

आज कार्यस्थल पर आपका वर्चस्व बना रहेगा और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की मुक्त कंठ से प्रशंसा करेंगे। अध्ययन और अनुसंधान के क्षेत्र में जुड़े लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि मिलने के योग निर्मित हो रहे हैं। हल्दी की गांठ अपने पास रखें जिससे आपके घर परिवार में खुशहाली और संपन्नता बनी रहेगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

गुरुवार के दिन भवन के ईशान कोण अथवा पूर्व दिशा को पूर्णतः स्वच्छ रखकर वहां पीले रंग का दीप प्रज्वलित करने तथा हल्दी से स्वास्तिक चिन्ह निर्मित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा देवगुरु बृहस्पति और लक्ष्मी नारायण की कृपा से आरोग्य सुख और अखंड लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

एसी दफ्तर में जन्माष्टमी का 'ओजस्वी' प्लान, नगर में बदइंतजामी का 'राज'

हाईवे की सर्विस रोड से लेकर शहर भर में बदबू फैला रही गंदगी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

तीर्थनगरी में अपनी तैनाती के बाद मुख्यमंत्री से मिलकर एक पखवाड़ा में सफाई व्यवस्था दुरस्त करने का वादा करने वाले नगर आयुक्त के नगर में सुबह-शाम और रात को ह्यओजस्वीह्न दौरों के बाद भी व्यवस्थाओं का ह्यराजह्न कायम नहीं हो पा रहा है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व आने वाला है। एसी दफ्तर में बैठकर ह्यओजस्वीह्न प्लान तो बनाया गया लेकिन, शहर भर में जनसुविधाओं की बदइंतजामी में कोई सुधार नहीं आ पाया है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश निगम के ठीठ कर्मियों पर बेअसर साबित हो रहे हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व पर उमड़ने वाली लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए नगर निगम ने तैयारियों की रफ्तार तेज कर दी है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई, जिसमें नगर निगम के सभी प्रमुख

विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था, थीम आधारित वॉल पेंटिंग, सिटी ब्यूटीफिकेशन, फसाड लाइटिंग, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, भंडारा पंजीकरण, ट्रैफिक, पार्किंग, अतिक्रमण हटाने और 247 कंट्रोल रूम जैसी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था को लेकर महाप्रबंधक (जल) मोहम्मद अनवर ख्वाजा को निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

लेकिन, ऐसी बैठकें पहले भी होती रही हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त ओजस्वी राज खुद कभी सुबह तो कभी शाम और कभी-कभी तो देर रात खुद हकीकत देखने निकले।

- भोजन तलाशते आवारा पशु कूड़े के ढेरों को बिखेरते हैं सड़क पर
- चंदनवन और मोतीकुंज जैसी पॉश कालोनियों में सड़क पर उफन रहीं नालियां

अधिकारियों को लताड़ लगाई लेकिन, अधिकारियों पर उनका कोई असर ही नहीं हो पा रहा है। ऐसे में वातानुकूलित कार्यालय में बैठक के दौरान समीक्षा में कुछ भी दावे किए जाते हों लेकिन हकीकत कुछ और ही है।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज निगम कार्यालय में समीक्षा कर अधीनस्थों को श्रीकृष्ण जन्मष्टमी को भव्य बनाने को कह रहे हैं, लेकिन नगर में सफाई व्यवस्था से दूर दूर तक कोई नाता नहीं दिखाई दे रहा। नगर की बात तो छोड़िए, राजमार्ग स्थित सरकूलर रोड़ पर बदबूदार कूड़े के ढ़ेर दिख रहे हैं। टेकमैन सिटी के की पांचों कालोनियों में प्रतिमाह वसूली के बाद भी सफाई वेन आती नहीं। अब बात आती है आवारा जानवरों की तो बंदरों एवं गलियों के स्वानों की बात छोड़ भी दें तो भी गाय, बछड़े एवं सांड़ दूर से दिख जाते हैं। कुछ माह पूर्व इन्हें पकड़ने के लिए अभियान निगम ने जरूर चलाया था, लेकिन उसका असर अब दिखाई नहीं देता।

इन कालोनियों में अवरूद्ध होती नालियों से भी गंदा पानी मोतीकुंज, चंदनवन जैसी कालोनियों की व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा है। धौली प्याऊ मार्ग पर गंदगी खाते गौ वंश देखकर नगरवासी द्रवित हो जाते हैं, इसमें गलती नगर निवासियों की है, नगर आयुक्त की नहीं। वे स्वयं खाद्यों से भरे पॉलीथिन सड़क पर डालकर जानवरों को मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। मजे की बात यह है कि प्रमुख मार्ग पर डलावघर किसकी अनुमति से बनाया।

कृष्ण जन्मभूमि सुरक्षा पर शीर्ष सुरक्षा एजेंसियों ने किया मंथन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- अभेद्य सुरक्षा चक्र के मध्य होंगे जन्माष्टमी पर वासुदेव नंदन के दर्शन

श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर और ईदगाह क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता बनाने के लिए पुलिस लाइन स्थित सभागार में एक उच्चस्तरीय सुरक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रदेश और जोन स्तर के शीर्ष प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों सहित विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

गोष्ठी के दौरान श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर एवं ईदगाह क्षेत्र के सुरक्षा प्रबंधन की बिंदुवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने भीड़ नियंत्रण, प्रवेश-निकास व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की समीक्षा करते हुए सुरक्षा को आधुनिक मानकों के अनुसार ढालने पर विचार-विमर्श किया। हाई पावर कमेटी की इस बैठक के उपरांत वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पूरी बैठक में सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सुरक्षा का मजबूत और त्रिस्तरीय खाका तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) अमरेन्द्र कुमार सेंगर, अपर पुलिस महानिदेशक (आईबी) विनीता शर्मा, अपर पुलिस महानिदेशक (आगरा जोन) सुवेन्द्र कुमार भगत, पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) प्रकाश चन्द्र, पुलिस महानिरीक्षक (सीआरपीएफ) अनिल कुमार, मण्डलायुक्त (आगरा) नगेन्द्र प्रताप, पुलिस उपमहानिरीक्षक (पीएसी आगरा) सत्येन्द्र कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक (आगरा परिक्षेत्र) शैलेश कुमार पाण्डेय और उपसचिव (साम्प्रदायिकता नियंत्रण प्रकोष्ठ, गृह विभाग) अरविन्द कुमार चौबे उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, उपाध्यक्ष (एमवीडीए) लक्ष्मी एन., सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी आशना चौधरी तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

रहीमपुर टाउनशिप के लिए 70 फीसदी जमीन जुटाई

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- दिल्ली आगरा नेशनल हाईवे पर फरह निकट एमवीडीए 93 हेक्टेयर में विकसित कर रहा है टाउनशिप

दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर मथुरा और फरह के बीच प्रस्तावित रहीमपुर टाउनशिप को आकार देने की दिशा में मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने अपनी राह तय कर ली है। टाउनशिप के लिए अब तक करीब 65 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण पूरा किया जा चुका है। जल्द ही यह आंकड़ा 75 हेक्टेयर तक पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही प्राधिकरण टाउनशिप को लॉन्च करने की तैयारियां शुरू कर देगा।

वृंदावन के निकट गोविंद विहार और हनुमत विहार योजनाओं को लॉन्च करने के बाद मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण अब दो बड़ी आवासीय योजनाओं पर तेजी से काम कर रहा है। इनमें छाता में प्रस्तावित 117 हेक्टेयर की आवासीय योजना और फरह के निकट 93 हेक्टेयर क्षेत्रफल की रहीमपुर टाउनशिप शामिल हैं। रहीमपुर टाउनशिप के लिए भूमि खरीद की प्रक्रिया तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। इस प्रक्रिया के तहत अब तक 65 हेक्टेयर का अधिग्रहण किसानों की सहमति से किया जा चुका है जो टाउनशिप के कुल क्षेत्रफल का करीब 70 प्रतिशत है।

अब जल्द ही यह आंकड़ा 75 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण तक पहुँचने जा रहा है।

प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि छाता योजना के साथ रहीमपुर टाउनशिप को भी जल्द लॉन्च करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नेशनल हाईवे पर स्थित यह टाउनशिप रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर है और यह एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली के भी निकट है।

प्रस्तावित टाउनशिप में आवासीय और कॉमर्शियल भूखंडों के साथ सामुदायिक सुविधाओं का भी प्रावधान होगा। यहां होटल, स्कूल, कॉलेज, कम्युनिटी सेंटर और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

इसके अलावा एलआईजी और एमआईजी आवासीय भूखंडों के साथ फार्म हाउस और वेयरहाउस के लिए भी भूमि का प्रावधान है। नेशनल हाईवे से सीधी कनेक्टिविटी और मथुरा-आगरा के बीच इसकी स्थिति को देखते हुए रहीमपुर टाउनशिप को क्षेत्र के सुनियोजित विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण योजना माना जा रहा है।

साध्वी ऋतंभरा का बयानः सोनिया गांधी पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप, वृंदावन में राष्ट्र चिंतन दिवस पर की शिरकत

मथुरा। पद्मविभूषण साध्वी ऋतंभरा ने वृंदावन के वात्सल्य ग्राम स्थित समविद् गुरुकुलम बालिका सैनिक स्कूल में मंगलवार वरिष्ठ पत्रकार स्व. भानुप्रताप शुक्ल की पुण्यतिथि पर आयोजित राष्ट्र चिंतन दिवस समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी और जंतर-मंतर के प्रदर्शनों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। साध्वी ऋतंभरा ने सोनिया गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि वंदे मातरम गीत के दौरान उनका असहज होना और उनका कृत्य देश को आहत करने वाला है, जिससे उनकी भावनाएं देश के सामने स्पष्ट हो चुकी हैं। इस पर सरकार को उचित कदम उठाना चाहिए। जंतर-मंतर और रांची में हुए प्रदर्शनों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन होना ठीक है, लेकिन देश में अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के अभिभावकों से भी अपील की कि वे देखें कि उनके बच्चों के दिमाग के साथ कौन खेल रहा है। श्रीराम मंदिर और सिद्धिविनायक मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपने चरित्र को मजबूत करना होगा।

राजीव गांधी ज्योति सद्भावना यात्रा पहुंची मथुरा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- कांग्रेसियों ने गोवर्धन चौराहे पर किया यात्रा का स्वागत
- तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर से प्रारंभ हुई यात्रा आज पहुंचेगी दिल्ली

राजीव गांधी ज्योति सद्भावना यात्रा राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और सद्भावना का संदेश लेकर तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर से प्रारंभ होकर मंगलवार की दोपहर मथुरा पहुँची। यात्रा के गोवर्धन चौराहा पहुंचने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि राजीव गांधी ने अपने जीवनकाल में देश को आधुनिक सोच और तकनीकी विकास की दिशा दी। उनकी प्रेरणा से ही आज हम एकता और सद्भावना का संदेश लेकर आगे बढ़ रहे हैं। यह यात्रा केवल स्मरण नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प है। उन्होंने बताया कि यह 35वीं यात्रा विभिन्न राज्यों से होते हुए कल 19 अगस्त को नई दिल्ली पहुँचेगी। इसके बाद 20 अगस्त को इस यात्रा का समापन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की स्मृति स्थल वीर भूमि पर होगा। इस अवसर पर देशभर से कांग्रेसजन और सामाजिक कार्यकर्ता एकत्रित होंगे और राजीव गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और सद्भावना के संदेश को और व्यापक रूप से जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लेंगे। गोवर्धन चौराहा पर उमड़े जनसमूह ने यह स्पष्ट कर दिया कि राजीव गांधी के आदर्श आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं और उनकी प्रेरणा से समाज में एकता और सद्भावना की भावना निरंतर प्रबल होती रहेगी।

यात्रा का स्वागत करने वालों में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि, उमेश शर्मा, आदित्य तिवारी, अप्रतिम सक्सैना, पंकज चौधरी, बलवीर प्रधान, हाशिम हुमेंर, रवि वाल्मीकि, रमेश कश्यप, खुशी राम पटेल, पुनीत शर्मा, नदीम अहमद, करन निषाद, अशोक निषाद, धीरज शर्मा, धर्मेंद्र प्रधान, दीपक दीक्षित, अमित दीक्षित, महेश चौबे, सरवन अहमद, आशीष अग्रवाल, अबरार कुरेशी, जिलानी कादरी, राजेश कुमार सहित आदि कांग्रेस जन थे।

बिजली की शिकायत लेकर केंद्रीय मंत्री से मिले भाजपाई

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा-वृंदावन क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने को लेकर भाजपा महानगर के जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा एवं पूर्व पार्षद विजय शर्मा ने केंद्रीय राज्य ऊर्जा मंत्री श्रीपाद नाइक से दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान मथुरा की विद्युत व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं उनके स्थायी समाधान को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुलाकात के दौरान श्याम शर्मा एवं विजय शर्मा ने मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में लगातार बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, बार-बार होने वाली अघोषित विद्युत कटौती पर प्रभावी अंकुश लगाने, जर्जर विद्युत लाइनों एवं उपकरणों को दुरुस्त कराने तथा स्थानीय उपभोक्ताओं को विद्युत विभाग से संबंधित आ रही समस्याओं के शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया।श्याम शर्मा ने कहा कि मथुरा धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से देश-दुनिया में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक आते हैं। ऐसे में मथुरा-वृंदावन की विद्युत व्यवस्था का सुदृढ़ और निर्बाध होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्युत कटौती एवं अन्य तकनीकी समस्याओं के कारण आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ व्यापारियों, धार्मिक स्थलों तथा पर्यटन से जुड़े लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को आधुनिक एवं मजबूत बनाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना की आवश्यकता है। पूर्व पार्षद विजय शर्मा ने भी क्षेत्र की स्थानीय विद्युत समस्याओं से केंद्रीय राज्य ऊर्जा मंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि कई स्थानों पर उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मर, लाइन एवं अन्य तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने संबंधित समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के साथ-साथ भविष्य में विद्युत व्यवस्था को लेकर स्थायी समाधान किए जाने की मांग रखी। केंद्रीय राज्य ऊर्जा मंत्री श्रीपाद नाइक ने श्याम शर्मा एवं विजय शर्मा द्वारा रखे गए सभी विषयों को गंभीरता से सुना और मथुरा की विद्युत व्यवस्था से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक सहयोग एवं सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुलाकात के दौरान नरेश शर्मा बब्बू, दीपक नागर, बांके लाल लोधी, मनोज लोधी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बरसाना के भारत भूषण को मिला संगीत नाट्य अकादमी पुरस्कार

विश्व प्रसिद्ध लाडली जी मंदिर के सेवायत हैं भारत भूषण गोस्वामी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, बरसाना।

ब्रज क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में एक और गौरवशाली अध्याय जुड़ गया है। प्रसिद्ध सारंगी वादक भारत भूषण गोस्वामी को गत दिवस नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान सारंगी वादन की पारंपरिक कला के प्रति उनके उत्कृष्ट समर्पण, योगदान और आजीवन सेवा के लिए प्रदान किया गया। मूल रूप से बरसाना के रहने वाले व लाडलीजी मंदिर के सेवायत भारत भूषण गोस्वामी ने सारंगी के प्रति अपनी निष्ठा और साधना के माध्यम से इस क्षेत्र की समृद्ध संगीत परंपरा को आगे बढ़ाया है। उनकी संगीत यात्रा भारतीय पारंपरिक संगीत के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रेरणादायक उदाहरण है। सारंगी अपनी गहरी, मधुर, आत्मीय और भावपूर्ण ध्वनि के लिए जानी जाती है तथा हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में इसका विशेष स्थान है। उनको यह सम्मान मिलना न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि बरसाना, ब्रजभूमि और भारतीय शास्त्रीय संगीत से प्रेम करने वाले सभी लोगों के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

उनकी इस उपलब्धि का ब्रज के कलाकारों, संगीत प्रेमियों और सांस्कृतिक जगत से जुड़े लोगों ने हर्षपूर्वक स्वागत किया है। उनकी सारंगी के प्रति साधना यह सिद्ध करती है कि भारतीय पारंपरिक वाद्य आज भी हमारी समकालीन सांस्कृतिक चेतना में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

बांके बिहारी मंदिर में ड्यूटी के दौरान सुरक्षा गार्ड बेहोश

मथुरा। वृंदावन ठाकुर बांके बिहारी मंदिर परिसर में मंगलवार को ड्यूटी के दौरान एक निजी सुरक्षागार्ड की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार रोहतास (35 वर्ष) पुत्र शिवचरण निवासी जानू, थाना बरसाना, मंदिर परिसर के गेट संख्या-04 के पास सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे। बताया गया है कि ड्यूटी के दौरान तेज बुखार आने के कारण रोहतास अचानक अचेत होकर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए चिकित्सकों की टीम को बुलाया। डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार प्रदान किए जाने के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए वृन्दावन स्थित सौ शैय्या अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान ने 417 प्रतिभाओं का किया सम्मान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान द्वारा चित्रकूट मसानी पर आयोजित 44वें मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह में 417 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह में हाईस्कूल के दो छात्रों को डेस्कटॉप कंप्यूटर प्रदान किए गए, जबकि रिया शर्मा और तन्मय शर्मा को विशेष सम्मान दिया गया। शांति देवी मेमोरियल सेवा ट्रस्ट की ओर से इंटर के भूमि उपाध्याय और शिवांगी शर्मा को लैपटॉप भेंट किए गए। इसके अलावा 13 छात्रों को स्मार्टफोन प्रदान किए गए, जिनमें पारुल शर्मा, मधु शर्मा, राधिका जोशी, सुहानी शर्मा, जया पांडे, अंशुल भार्गव, लव शर्मा, तरुण झा, सार्थक उपाध्याय, साक्षी शर्मा, दीक्षा शर्मा और माही पाठक शामिल रहे। अन्य सभी विद्यार्थियों को गिफ्ट, सम्मान पत्र, मेडल, पटका, अगरबत्ती, मिठाई, स्मारक पत्रिका और पंचांग देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लॉटरी के माध्यम से एक अतिरिक्त स्मार्टफोन रिचा शर्मा को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंत्री व क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत शर्मा, स्वामी रामदेव नंद, डॉ देवेंद्र शर्मा, शोभाराम शर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा, मुन्ना भैया, अनिल कौशिक, रोहित सर्राफ, घनश्याम हरियाणा, चेतन स्वरूप पाराशर, पंकज शर्मा एडवोकेट, सोहनलाल शर्मा, नारायण प्रसाद शर्मा, डॉ जमुना शर्मा, विनीत शर्मा, शशि शर्मा, विजय रिडवा, पीपी शर्मा, मुकट मनी शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती एवं भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संचालिका शशि शर्मा व कीर्ति शर्मा द्वारा मां शारदे वंदना तथा वंदे मातरम के सामूहिक गायन से हुई। इसके पश्चात सभी छात्रों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। शशांक पाठक एवं सहयोगियों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया, जबकि संस्था की वार्षिक गतिविधियों की रूपरेखा दिवाकर आचार्य ने प्रस्तुत की।

इस अवसर पर स्वामी रामदेव नंद ने विद्यार्थियों को देश की धरोहर बताया। पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मोबाइल का उपयोग केवल पढ़ाई के लिए करना चाहिए और यदि मन एकाग्र न हो तो भजन करना चाहिए। डॉ देवेंद्र शर्मा ने कहा कि विद्या ही ऐसा धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता और मेहनत ही सफलता की कुंजी है। संस्था के सचिव नारायण प्रसाद शर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर होते रहेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुरलीधर शर्मा, बिहारी लाल गोस्वामी, हीरालाल मैथिल, राकेश गौड़, सुरेंद्र, श्यामा चरण गोस्वामी, ललित गोस्वामी, नीतू सिंह, प्रधानाचार्य पन्नालाल शर्मा, राम गोपाल शर्मा, माधुरी शर्मा, रुचि द्विवेदी, ममता भारद्वाज, सरोज शर्मा, पंकज शर्मा, महेंद्र दत्ताचार्य, राजकुमार गौतम, राजकुमार नल वाले, कन्हैया लाल शर्मा, भगवान साहू, अनुराग पाठक, एसकेएस ग्रुप के प्रतिनिधि विपिन, कृष्ण मुरारी दीक्षित, उषा गोस्वामी सहित अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

विद्युत व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, 48 घंटे में बदले जाएं खराब ट्रॉसफार्मर, ट्रॉसफार्मर बदलने के नाम पर किसी का शोषण न हो: डीएम

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में बिजली आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मरों, फॉल्ट, रिस्पांस टाइम, स्मार्ट मीटर, बिलिंग, राजस्व वसूली तथा लाइन-लॉस वाले फीडरों की स्थिति की समीक्षा करते हुए विभाग के अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्युत व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी, किसानों, आम उपभोक्ताओं की समस्याओं का तत्काल समाधान कराकर उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर लगाने से बचाया जाए।

उन्होने खराब ट्रांसफार्मरों को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि फॉल्ट होना अलग विषय है लेकिन ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद उसे कई-कई दिन तक न बदलना गंभीर लापरवाही है, संबंधित एस.डी.ओ., जे.ई. को अपने क्षेत्र के प्रत्येक फीडर, ट्रांसफार्मर की स्थिति की जानकारी होनी चाहिए, ट्रांसफार्मर खराब होने के 48 घंटे के भीतर बदलवाना सुनिश्चित किया जाए यदि स्टोर में ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं है तो अधिशाषी अभियंता, उच्चाधिकारियों को तत्काल अवगत कराकर व्यवस्था करायें, ट्रांसफार्मर बदलने के नाम पर किसी से अवैध वसूली न हो, सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लाइन-लॉस वाले फीडर को चिन्हित कर वहां कैंप लगाकर उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान कराया जाए, सुधार न होने की दशा में उप जिलाधिकारी के नेतृत्व में प्रवर्तन की कार्यवाही की जाए।

त्रिपाठी ने कृषि, फीडरों की आपूर्ति की समीक्षा करते हुए कहा कि धान की फसल के लिए आने वाले समय में सिंचाई की आवश्यकता बढ़ेगी इसलिए कृषि के डेडिकेटेड फीडरों पर कम से कम 10 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए यदि किसी फीडर पर निर्धारित अवधि से कम आपूर्ति हो रही है तो फॉल्ट की स्थिति में तत्काल टीम भेजकर आपूर्ति बहाल कराई जाए। उन्होने फॉल्ट, रिस्पांस टाइम को लेकर अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि फॉल्ट होने के बाद टीम की मोबिलाइजेशन तेज हो, जल्द से जल्द समस्या का समाधान हो, संबंधित एस.डी.ओ., जे.ई. अपने क्षेत्रों में फॉल्ट की निगरानी करें तथा उपभोक्ता से शिकायत आने का इंतजार न करें, उपभोक्ता को 1912 जैसी शिकायत व्यवस्था का लाभ मिले लेकिन स्थानीय स्तर के अधिकारियों को अपने क्षेत्र की खराबी की जानकारी स्वयं हो।

उन्होने स्मार्ट मीटर एवं अधिक बिल आने की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए 15 दिन का रोस्टर तैयार कर विशेष विद्युत समाधान कैंप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्मार्ट मीटरों की रीडिंग और बिलिंग की वास्तविक स्थिति जानने के लिए रैंडम तौर पर अधीक्षण अभियंता द्वारा कम से कम 05, अधिशाषी अभियंताओं द्वारा 10-10, उप खंड अधिकारियों द्वारा 25-25 एवं अवर अभियंताओं द्वार 40-40 उपभोक्ताओं के मीटर और बिल की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन मीटर रीडरों के संबंध में लगातार शिकायतें हैं या लंबे समय से एक ही क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, उनका आवश्यकतानुसार क्षेत्र परिवर्तन किया जाए, नियमित फीडबैक लिया जाए और शिकायत वाले कर्मचारियों की कार्य-प्रणाली की समीक्षा की जाए। उन्होने अगले 15 दिनों के लिए विशेष अभियान संचालित कर बिजली के बड़े बकायेदारों से वसूली की जाए। बैठक में नए फीडर, विद्युत उपकेंद्रों के लिए भूमि की उपलब्धता की भी समीक्षा की गयी, संबंधित अधिकारियों को भूमि संबंधी लंबित मामलों को तत्काल निस्तारित कराने के निर्देश दिए गए, परौंख क्षेत्र में प्रस्तावित फीडर के लिए भूमि उपलब्ध कराने, फैजपुरा स्थित नए विद्युत सब स्टेशन को शीघ्र प्रभावी रूप से संचालित कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु, अपर जिलाधिकारी श्यामलता आनंद, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश चंद्र, उप जिलाधिकारी सदर, करहल, भोगांव, किशनी, कुरावली श्याम प्रताप सिंह, सुनिष्ठा सिंह, मिथिलेश कुमार त्रिपाठी, नवनीता राय, प्रदीप कुमार सिंह, अधीक्षण अभियंता विद्युत मुकेश कुमार, अधिशासी अभियंता विद्युत अनिल वर्मा, सहायक, अवर अभियंता, उप खंड अधिकारी विद्युत आदि उपस्थित रहे।

पीआरडी जवानों को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा और मानदेय वृद्धि की सौगात

सरकार के निर्णय से जवानों और उनके परिवारों को मिलेगी बड़ी राहत

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पीआरडी जवानों के सम्मेलन की लाइव स्ट्रीमिंग के उपरांत कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पीआरडी जवानों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पीआरडी जवानों की आवश्यकताओं को समझते हुए उनके हित में महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई अन्य विभागों में मानदेय वृद्धि और कैशलेस चिकित्सा जैसी सुविधाओं की घोषणा पहले ही हो चुकी थी, लेकिन पीआरडी जवान इन सुविधाओं से वंचित थे। अब मुख्यमंत्री द्वारा पीआरडी जवानों और उनके परिवारों के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य बीमा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है, जो उनके लिए बड़ी राहत है।

ममता राजपूत ने कहा कि बीमारी ऐसी स्थिति है, जिससे कोई भी परिवार पूरी तरह अछूता नहीं रह सकता। अचानक बीमारी आने पर उपचार के लिए बड़ी धनराशि की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में कैशलेस स्वास्थ्य बीमा की सुविधा जवानों और उनके परिवारों को आर्थिक चिंता से राहत देगी। उन्होंने कहा कि पीआरडी जवानों के मानदेय में भी वृद्धि की गई है। यह मानदेय में चौथी वृद्धि है, जो सरकार द्वारा जवानों के योगदान और सेवाओं को लगातार सम्मान दिए जाने का प्रमाण है। उन्होंने पीआरडी जवानों से पूरी निष्ठा, लगन और अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा की।

मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने कहा कि पीआरडी जवानों और उनके पूरे परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा योजना में शामिल किया जाना महत्वपूर्ण निर्णय है। इससे बीमारी के समय जवानों को उपचार की चिंता से राहत मिलेगी। उन्होंने मानदेय वृद्धि की घोषणा पर सभी पीआरडी जवानों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार ने उनकी मेहनत, लगन और सेवाओं को नई पहचान दी है।

उन्होंने कहा कि पीआरडी जवान कठिन परिस्थितियों में भी पूरी मेहनत से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर विभिन्न सरकारी एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों तक उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। सरकार की घोषणाएं केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इससे जवानों के सम्मान और मनोबल को भी मजबूती मिलेगी। इस दौरान कोषाध्यक्ष डॉ. विमल पाण्डेय, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी रंजना शुक्ला, एनआईसी से धीरज कुमार सहित बड़ी संख्या में पीआरडी जवान मौजूद रहे।

उत्पीड़न से तंग आकर युवक ने जिलाधिकारी को सौंपी अपनी चल-अचल संपत्ति, प्रशासन से लगाई सुरक्षा की गुहार

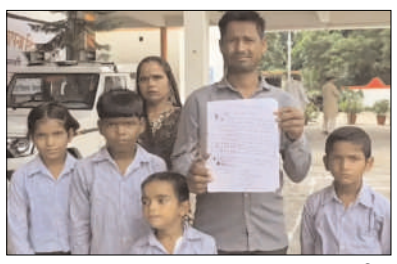

टीएनएफ टुडे, भोगांव/मैनपुरी।

भोगांव थाना क्षेत्र के अहिरवा ग्राम पंचायत के रामनगर गांव निवासी आदित्य कुमार ने लगातार उत्पीड़न से परेशान होकर एक चौंकाने वाला कदम उठाया है। उन्होंने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी संपूर्ण चल और अचल संपत्ति सरकार के नाम करने की इच्छा जताई है।

पीड़ित का आरोप है कि उन्हें और उनके परिवार को गांव में लंबे समय से लगातार अपमान, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन मिलने वाली इन धमकियों और मानसिक प्रताड़ना के कारण उनका जीना मुहाल हो गया है। इस निरंतर मानसिक तनाव से तंग आकर उन्होंने यह बड़ा फैसला लिया है ताकि इस मामले में उचित कानूनी कार्रवाई हो सके।

आदित्य कुमार ने अपनी मुख्य मांग रखते हुए प्रशासन से अपील की है कि उन्हें गांव से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर आवासीय भूमि उपलब्ध कराई जाए। इस सिलसिले में वे पहले भी दो बार लखनऊ जा चुके हैं और मैनपुरी जिलाधिकारी को कई बार प्रार्थना पत्र सौंप चुके हैं। पूर्व में जिलाधिकारी स्तर से आदेश होने पर लेखपाल द्वारा कागजी प्रक्रिया भी पूरी की गई थी, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं निकला। उन्होंने गुहार लगाई है कि यदि उन्हें सुरक्षित जगह पर आबाद कर दिया जाए, तो वे परिवार के साथ मेहनत-मदूरी कर अपना गुजारा कर लेंगे।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिए 24 अगस्त तक करें आवेदन

करहल। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 से मत्स्य विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभागीय पोर्टल 24 अगस्त तक आवेदन के लिए खुला रहेगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत मध्याकार आर.ए.एस. की सामान्य वर्ग के लिए 03 इकाइयां, महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए रियरिंग यूनिट निर्माण, महिला वर्ग के लिए बैकयार्ड आर.ए.एस., जलाशयों में 65 हजार मत्स्य अंगुलिकाओं का संचय तथा पारंपरिक मछुआरों के 500 परिवारों के लिए आजीविका एवं पोषण संबंधी सहायता परियोजनाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश स्तरीय लक्ष्य में जनपद का लक्ष्य भी शामिल है। सहायक निदेशक ने बताया कि इच्छुक लाभार्थी निर्धारित अवधि में विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाओं का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया तथा आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक अभिलेखों की विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है। उन्होंने पात्र लोगों से योजना का लाभ उठाने के लिए समय से आवेदन करने की अपील की है। किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी अथवा आवेदन

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में छात्रों ने समझी मानव शरीर की संरचना

करहल के सन्त विवेकानंद स्कूल में आयोजित हुआ कैम्प, बच्चो को किया जागरूक

टीएनएफ टुडे, करहल।

संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल करहल में उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा के एनाटमी विभाग द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत ह्यआइये अपने शरीर की रचना को समझेंह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को मानव शरीर की संरचना के साथ-साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन एनाटमी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नित्यानंद श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय से आए विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को मानव शरीर की संरचना, हाथ धोने की सही विधि तथा दांतों एवं मुंह की नियमित सफाई के महत्व के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी।

संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अनुज जैन ने विद्यार्थियों को मानव हृदय की जटिल संरचना एवं कार्यप्रणाली के बारे में सरल भाषा में विस्तार से समझाया। वहीं डॉ. अतुल यादव, डॉ. मोहित यादव एवं डॉ. आलोक यादव ने भी छात्र-छात्राओं को स्वस्थ रहने के उपायों के साथ शरीर के विभिन्न अंगों की संरचना और उनके महत्व के बारे में जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कहा कि शरीर की संरचना एवं उसके कार्यों की जानकारी होने से बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और वे बीमारियों से बचाव के लिए बेहतर कदम उठा सकते हैं।

विद्यालय के निदेशक डॉ. जे.पी. यादव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हम न केवल स्वयं को सुरक्षित रखते हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि अज्ञानता के कारण आज अनेक नवयुवक विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाना आवश्यक है।

विद्यालय की प्रबंधक सरिता सिंह ने सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के एनाटमी विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के शारीरिक विकास के साथ-साथ उन्हें मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वस्थ रहने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने का आह्वान किया। कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, इसलिए स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

कार्यक्रम के अंत मेंविश्वविद्यालय की विशेषज्ञ टीम ने आयोजन में सहयोग के लिए विद्यालय प्रशासन की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रजीत यादव, जीव

राजस्व वसूली में तेजी लाने के डीएम ने दिए निर्देश

मैनपुरी। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत राजस्व वसूली के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम व तहसीलदारों से स्वयं फील्ड में जाकर बड़े बकायेदारों से वसूली कराने तथा अमीनों की साप्ताहिक समीक्षा करने को कहा। डीएम ने परिवहन, आबकारी व वाणिज्य कर विभाग को प्रवर्तन कार्य बढ़ाने के निर्देश देते हुए अवैध वाहनों के संचालन, ओवरलोडिंग और अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने को कहा। साथ ही प्रवर्तन के नाम पर किसी के शोषण से बचने के निर्देश दिए। उन्होंने धारा-34 व धारा-67 के लंबित वादों तथा पांच वर्ष पुराने मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश दिए। नगर निकायों को गृहकर, जलकर व जलमूल्य की वसूली बढ़ाने तथा सफाई व कूड़ा उठान व्यवस्था बेहतर करने को कहा। समीक्षा में वन विभाग की राजस्व प्राप्ति 57 प्रतिशत और अलोह खनन विभाग की 62 प्रतिशत पाई गई। घिरोर व बेवर में गृहकर वसूली की प्रगति भी संतोषजनक नहीं मिली। डीएम ने अभियान चलाकर इस माह वसूली में सुधार के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ नेहा बंधु, एडीएम श्यामलता आनंद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मैनपुरी बहुचर्चित दंपति हत्याकांडः मुख्य आरोपी अनुपम दुबे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

मैनपुरी। बेवर थाना क्षेत्र के नवीगंज में 6 अगस्त 2005 को हुए बहुचर्चित कौशल किशोर दुबे और उनकी पत्नी कृष्णा दुबे हत्याकांड के मामले में मुख्य आरोपी डॉ. अनुपम दुबे को सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया। मथुरा जेल से बी-वारंट के आधार पर लाए गए आरोपी को अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 14 दिन के रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस अब इस मामले में धारा 173(8) सीआरपीसी के तहत आगे की विवेचना और साक्ष्यों की नए सिरे से जांच करेगी। इस सनसनीखेज वारदात के समय कुल छह लोगों को नामजद किया गया था, जिसमें प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी थी और वर्ष 2006 में इसे स्वीकार कर पत्रावली दाखिल दफ्तर कर दी गई थी। इसके बाद शिकायतकर्ता पक्ष की मांग पर दोबारा विवेचना शुरू हुई। वर्ष 2026 में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा पुनर्विवेचना पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज किए जाने के बाद पुलिस की जांच का रास्ता साफ हो गया। सोमवार को हुई पेशी के दौरान आरोपी अनुपम दुबे की तरफ से वकीलों ने पक्ष रखा, जबकि अभियोजन पक्ष ने रिमांड के समर्थन में कानूनी तर्क दिए। सुनवाई के बाद अदालत ने अभियोजन पक्ष के हक में फैसला सुनाते हुए रिमांड मंजूर कर लिया। वहीं, पेशी के वक्त अनुपम दुबे ने खुद को साजिश के तहत फंसाए जाने का आरोप लगाया है।

नशे के विरुद्ध राष्ट्रीय शपथ कार्यक्रम आयोजित

सिरसागंज। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिरसागंज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ह्यनशे के विरुद्ध राष्ट्रीय शपथह्व कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वयं, परिवार तथा समाज को नशे से दूर रखने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कान्ति शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार, सामाजिक जीवन और राष्ट्र के विकास को भी प्रभावित करता है। युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का उपयोग सकारात्मक एवं रचनात्मक कार्यों में करना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार और समाज में भी नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सोनल भार्गव के निर्देशन में छात्राओं एवं उपस्थित सदस्यों को नशे के विरुद्ध राष्ट्रीय शपथ दिलाई गई। सभी ने स्वयं तथा अपने परिवार, मित्रों और समुदाय को नशीले पदार्थों से दूर रखने और अपने जिले, राज्य व देश को नशामुक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का संकल्प लिया।

सहन के कंपोजिट विद्यालय में आरओ वॉटर कूलर प्लांट का हुआ शुभारंभ

स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की मिलेगी सुविधा, ग्रामीणों ने पहल की सराहना की

टीएनएफ टुडे, करहल।

ग्राम पंचायत सहन करहल स्थित कंपोजिट विद्यालय सहन करहल में छात्र-छात्राओं को स्वच्छ, शीतल एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरओ वॉटर कूलर प्लांट स्थापित किया गया है। मंगलवार को नवनिर्मित आरओ वॉटर कूलर प्लांट का विधिवत शुभारंभ पूर्व कैप्टन उदयराज सिंह एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य सोवरन सिंह यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र सिंह सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आरओ वॉटर कूलर प्लांट के शुरू होने से विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को अब गर्मी के मौसम में भी शुद्ध एवं ठंडा पानी आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। विद्यालय परिसर में पेयजल की बेहतर व्यवस्था होने से विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों को भी सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने इस पहल को बच्चों के स्वास्थ्य और सुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

उद्घाटन के अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य सोवरन सिंह यादव ने कहा कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे देश का भविष्य हैं। बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दूषित पानी से विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैलने का खतरा रहता है, इसलिए विद्यालय में आरओ वॉटर कूलर की व्यवस्था कराया जाना सराहनीय पहल है। उन्होंने विद्यालय की अन्य आवश्यकताओं में भी हरसंभव सहयोग करने की बात कही।

पूर्व कैप्टन उदयराज सिंह ने कहा कि बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल की सुविधा अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय में आरओ वॉटर कूलर लगने से विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा और उन्हें गर्मी के दिनों में ठंडा व शुद्ध पानी मिल सकेगा।

इस मौके पर भीकम सिंह, शिवप्रताप सिंह चौहान, केपी सिंह, बंटी, उमेश सिंह चौहान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों ने आरओ वॉटर कूलर प्लांट शुरू होने पर खुशी जताते हुए सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

कृषि यंत्रों के लाभार्थियों का 21 अगस्त को होगा ई-लाटरी से चयन

कलेक्ट्रेट सभागार में दोपहर 2:30 बजे होगी प्रक्रिया, ऑनलाइन आवेदन करने वाले किसान रहें उपस्थित

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

कृषि यंत्रीकरण की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए लाभार्थियों का चयन ई-लाटरी के माध्यम से किया जाएगा। उप कृषि निदेशक नरेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 21 अगस्त को अपराह्न 2:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में गठित समिति के समक्ष ई-लाटरी की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन (एसएमएएम), प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजीड्यू तथा फसल अवशेष प्रबंधन योजनाओं के अंतर्गत 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्र एवं कृषि रक्षा उपकरणों के लिए लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। इसके अलावा कस्टम हायरिंग सेंटर, किसान ड्रोन, फार्म मशीनरी बैंक, हाईटेक हब, सुपर सीडर सहित अन्य कृषि यंत्रों के लाभार्थियों का भी ई-लाटरी के माध्यम से चयन होगा।

उप कृषि निदेशक ने जनपद के उन सभी कृषकों से अपील की है, जिन्होंने उक्त योजनाओं के अंतर्गत अनुदान पर कृषि यंत्र क्रय करने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है, कि वे 21 अगस्त को निर्धारित समय पर कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित रहें, ताकि उनके समक्ष पारदर्शी तरीके से ई-लाटरी की प्रक्रिया पूरी कराई जा सके।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई आवेदक किसान ई-लाटरी के समय उपस्थित नहीं होता है तो उपस्थित अन्य कृषकों एवं गठित समिति की मौजूदगी में ई-लाटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन कर लिया जाएगा। अनुपस्थित कृषक की सहमति मानते हुए यह माना जाएगा कि उसे चयन प्रक्रिया पर कोई आपत्ति नहीं है।

कांग्रेस एससी/एसटी प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष खजांची दिवाकर का स्वागत

फिरोजाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी फिरोजाबाद के पूर्व जिलाध्यक्ष संदीप तिवारी के संसार बाईपास रोड स्थित कार्यालय पर कांग्रेस एससी/एसटी प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष खजांची दिवाकर का कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष संदीप तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल सिंह गौतम एवं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का आभार है, जिन्होंने जुझारू कार्यकर्ता खजांची दिवाकर को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि खजांची दिवाकर के नेतृत्व में एससी/एसटी समाज को कांग्रेस से जोड़ने का काम किया जाएगा और संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी ताकत से प्रयास होंगे। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष खजांची दिवाकर ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वह पूरी ईमानदारी और कर्मठता के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस परिवार को मजबूत करने और संगठन को आगे बढ़ाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। इस दौरान पूर्व जिला उपाध्यक्ष कमलेश जैन छम्मू, एससी/एसटी प्रकोष्ठ के आगरा मंडल प्रभारी संत कुमार जाटव, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शोएब अंसारी, सेवादल के पूर्व अध्यक्ष नौशाद कुरैशी, राम शंकर राजोरिया, अखिलेश शर्मा, चंद्रकांत यादव, अनिल कुमार जाटव एवं रोहित यादव सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नकली पनीर पर प्रशासन सख्त, शिकोहाबाद में 8 खाद्य नमूने लिए

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विशेष प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी फिरोजाबाद के निर्देश एवं आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश के आदेशों के अनुपालन में विभागीय टीमों द्वारा डेयरियों, होटल एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर लगातार छापेमारी और निरीक्षण की कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शिकोहाबाद नगर पालिका क्षेत्र में विभिन्न डेयरी एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता, रख-रखाव एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की गई। संदिग्ध दुग्ध उत्पादों के नमूने भी संग्रहित किए गए।

8 खाद्य नमूने लिए

अभियान के दौरान कृष्णा डेयरी, राधिका डेयरी, मोहन डेयरी एवं पाण्डेय डेयरी से पनीर के एक-एक नमूने लिए गए। गोपाल डेयरी से घी का नमूना संग्रहित किया गया। होटल ताज अनुषी से पनीर एवं काजू के एक-एक नमूने लिए गए। होटल में पाई गई कमियों के संबंध में सुधार नोटिस भी जारी किया गया।

इस प्रकार कुल 8 खाद्य नमूने संग्रहित किए गए, जिनमें पनीर के 6, घी का एक और काजू का एक नमूना शामिल है।

दो माह में 10 पनीर नमूनों में चार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

विभाग के अनुसार पिछले दो माह में पनीर के कुल 10 नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए, जिनमें से चार नमूनों की प्रयोगशाला जांच में मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाए जाने की जानकारी सामने आई है। विभाग द्वारा जनपद की सभी डेयरियों के साथ-साथ बाहरी जनपदों से आने वाले पनीर पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है।

नाले का निर्माण बना आफत, बारिश में धंसी सड़क, मकानों पर भी मंडराया संकट

- पानी रोके जाने से बिगड़ी जलनिकासी व्यवस्था, नागरिकों ने खुद हटाए अवरोध; शिकायत के बाद पालिका ने शुरू कराया समाधान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, गंजडुंडवारा।

कस्बा के पूरब थोक वार्ड नंबर 19 में नाला निर्माण के दौरान करीब 15 दिनों से पानी का प्रवाह रोके जाने के बाद देर रात हुई बारिश से हालात बिगड़ गए। जलनिकासी बाधित होने से नाले के किनारे बने मकानों में पानी भरने लगा और धीरे-धीरे पानी के दबाव से दोनों ओर की इंटरलॉकिंग सड़क धंसने लगी। बहार मिया, भूरे, उसमान, मुन्ने, इश्तियाग, सलमान और कल्लू समेत सात मकानों के आगे सड़क धंसने से उनकी नींव में पानी का कटान शुरू हो गया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

स्थिति गंभीर होते देख स्थानीय लोगों ने खुद नाले में लगे अवरोध हटाकर पानी की निकासी शुरू कराई। जिसके बाद मामले की शिकायत प्रभारी अधिशासी अधिकारी एसडीएम मोहम्मद नासिर से की गई। एसडीएम के निर्देश पर नगर पालिका के जेई और सफाई कर्मचारी मौके पर पहुंचे तथा नाले के सम्पूर्ण अवरोध हटाने का कार्य शुरू कराया, ताकि जलनिकासी सुचारु रहे और मकानों को नुकसान से बचाया जा सके।

इस दौरान लोगों ने बरसात के मौसम में वैकल्पिक जलनिकासी की व्यवस्था किए बिना नाले का पानी रोककर निर्माण कराने की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की।

उनका कहना था कि निर्माण का उद्देश्य तो सही है, लेकिन बारिश के मौसम मे निर्माण की कार्यशैली से मकानो पर पर खतरा पैदा हो गया। लोगों ने नाले के निर्माण की गुणवत्ता, ठेकेदार की कार्यशैली और पालिका की निगरानी की जांच की मांग की है।

वहीं उक्त घटना को लेकर एसडीएम मोहम्मद नासिर ने बताया कि संबंधित ठेकेदार को तत्काल उचित व्यवस्था कर समस्या समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ ने कांवड़ियों को वितरित किए फल और शीतल जल

एटा। सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कासगंज रोड पर फल एवं शीतल जल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कांवड़ लेकर गुजर रहे श्रद्धालुओं को रोककर फल और ठंडा जल वितरित किया गया।

कार्यक्रम में कर्मचारियों ने सेवा भाव के साथ कांवड़ियों का स्वागत किया और उन्हें गर्मी व उमस के बीच राहत पहुंचाने के लिए शीतल जल उपलब्ध कराया। श्रद्धालुओं ने इस सेवा कार्य के लिए कर्मचारी संघ के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अक्षय कुमार, नरेंद्र कुमार, धीरज सिंह, दीपक भारती, मनोज कुमार, सुमित कुमार, सिद्धांत यादव, दीपेश सेंगर, सर्व दमन सिंह, जितेंद्र त्रिपाठी, विशेष तिवारी, कैलाश बाबू, संतोष, अनुज, शिवम मिश्रा, बाबूराम, रोहित, विनोद कुमार आदि कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने कांवड़ यात्रियों की सेवा और सहयोग के लिए अपनी सहभागिता निभाई।

पालिका की नजर व्यापारी की जेब पर, विकास की रोशनी गायब

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, गंजडुंडवारा।

- सब्जी वाले से ज्वेलर्स तक पर लाइसेंस शुल्क का बोझ बढ़ाने की तैयारी
- पालिका बोर्ड में प्रस्ताव आया तो जनप्रतिनिधियों ने खींचे हाथ

तीन वर्ष के कार्यकाल में नगर के विकास और मूलभूत सुविधाओं की तस्वीर पूरी तरह बदल भी नहीं पाई है। वहीं नगर पालिका प्रशासन ने अब छोटे-बड़े व्यापारियों पर नए आर्थिक बोझ की तैयारी शुरू कर दी है। नगर के चूड़ी विक्रेता, चाय दुकानदार, किराना कारोबारी और फल-सब्जी विक्रेता से लेकर होटल, अस्पताल, ज्वेलर्स, शराब की दुकानों और ट्रांसपोर्ट कारोबारियों तक को लाइसेंस शुल्क के दायरे में लाने वाली ह्यलाइसेंसिंग व अन्य शुल्क संबंधी नियमावलीह्ण सोमवार को हुई नगर पालिका की बोर्ड बैठक में रखी गई। हालांकि जनप्रतिनिधियों ने प्रस्ताव पर तत्काल मुहर लगाने के बजाय विचार-विमर्श के लिए समय मांगा, जिसके चलते फिलहाल प्रस्ताव पास नहीं हो सका।

प्रस्तावित नियमावली लागू होने पर नगर के कारोबारियों को हर साल लाइसेंस शुल्क देना होगा। खास बात यह है कि शुल्क की शुरूआत छोटे कारोबार से होती है और कारोबार के आकार के साथ इसकी राशि बढ़ती जाती है। प्रस्ताव में चूड़ी विक्रेता के लिए 800 रुपये, ब्यूटी पार्लर के लिए 750 रुपये, चाय विक्रेता, किराना फुटकर दुकान, साइकिल की दुकान और फोटो स्टूडियो के लिए 1000-1000 रुपये वार्षिक शुल्क प्रस्तावित है। वहीं फल-सब्जी की दुकान पर 2500 रुपये शुल्क रखा गया है। यानी छोटा कारोबार करने वाला भी पालिका के नए शुल्क दायरे से बाहर नहीं रहेगा।

कारोबार थोड़ा बड़ा हुआ तो शुल्क भी बढ़ जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान और प्लास्टिक फैक्ट्री के लिए 6000 रुपये, मिठाई की दुकान के लिए 4000 रुपये और मसाले के थोक कारोबार के लिए 6000 रुपये वार्षिक शुल्क प्रस्तावित किया गया है। इसी तरह होटल कारोबार के लिए कमरों की संख्या के आधार पर अलग-अलग दरें तय की गई हैं। 10 कमरों तक के होटल के लिए 2000 रुपये से शुरू होकर 51 से अधिक कमरों वाले होटल के लिए 10 हजार रुपये तक वार्षिक शुल्क प्रस्तावित है। तीन सितारा होटल के लिए 10 हजार और पांच सितारा होटल के लिए 12,500 रुपये शुल्क रखा गया है। नर्सिंग होम, अस्पताल, पैथोलॉजी सेंटर, एक्स-रे और डेंटल क्लीनिक को भी शुल्क के दायरे में रखा गया है।

बड़े कारोबारियों के लिए प्रस्तावित शुल्क हजारों रुपये तक पहुंच गया है। पांच लाख रुपये तक के लेन-देन वाले ज्वेलर्स से 15 हजार रुपये और पांच लाख रुपये से अधिक के लेन-देन वाले ज्वेलर्स से 35 हजार रुपये सालाना लाइसेंस शुल्क लेने का प्रस्ताव है। विज्ञापन एजेंसी के लिए 15 हजार रुपये और इंश्योरेंस कंपनी की प्रति शाखा के लिए 10 हजार रुपये शुल्क रखा गया है। देशी शराब की दुकान पर 10 हजार और विदेशी शराब की दुकान पर 20 हजार रुपये वार्षिक शुल्क प्रस्तावित है। मांस की दुकान, फर्नीचर शोरूम, मोटर गैराज, ट्रांसपोर्ट एजेंसी और अन्य कारोबारों के लिए भी अलग-अलग शुल्क निर्धारित किए गए हैं।

नगर पालिका की इस प्रस्तावित व्यवस्था ने एक ओर छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ की चिंता बढ़ा दी है, तो दूसरी ओर नगर की मौजूदा व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। व्यापारियों और नगरवासियों के सामने सड़क, जलभराव, पेयजल, सफाई और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत समस्याएं अभी भी चुनौती बनी हुई हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब नगर की बुनियादी जरूरतें अभी पूरी तरह दुरुस्त नहीं हुई हैं तो व्यापारियों पर नया लाइसेंस शुल्क लगाने की इतनी जल्दी क्यों की जा रही है।

हालांकि बोर्ड बैठक में जनप्रतिनिधियों ने प्रस्ताव को तत्काल मंजूरी देने के बजाय इस पर विस्तार से विचार-विमर्श के लिए समय मांगा है। इसी कारण नियमावली फिलहाल पास नहीं हो सकी। अब आगामी बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

शहर में 8 स्थानों पर ई रिक्शा स्टैंड, बनवाने की कवायद को किया शुरू

अलीगढ़। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने आगरा रोड, गांधी पार्क, दुबे का पड़ाव, रामघाट रोड, सासनी गेट, जीटी रोड, मथुरा बाईपास, सारसौल, जीटी रोड, सराय रहमान, सुतमिल, खैर बाईपास आदि स्थानों का निरीक्षण करते हुए 8 स्थलों पर ई रिक्शा स्टैंड बनवाये जाने का निर्णय लिया। नगर आयुक्त ने आगरा रोड, गांधी पार्क, दुबे का पड़ाव, रामघाट रोड, सासनी गेट, जीटी रोड, मथुरा बाईपास, सारसौल, सराय रहमान, सुतमिल एवं खैर बाईपास सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत ई-रिक्शा को निर्धारित स्थानों पर व्यवस्थित रूप से खड़ा कराने के लिए निम्न 8 स्थलों को प्रथम चरण में चिन्हित किया गया है। निरीक्षण के दौरान पार्किंग प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष, नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा कि शहर में ई-रिक्शा की संख्या बढ़ने के साथ ही प्रमुख चौराहों और मार्गों पर इनके अनियोजित एवं अव्यवस्थित खड़े होने से यातायात प्रभावित होता है और आम नागरिकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

गंगा संरक्षण को शिक्षण संस्थानों में जागरूकता अभियान के निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- पर्यावरण , गंगा संरक्षण एवं वृक्षारोपण के कार्यों की हुई समीक्षा
- वनाधिकारी ने जिओ टैगिंग की रखी प्रगति आख्या

कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की संयुक्त बैठक मुख्य विकास अधिकारी में स हुई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, गंगा संरक्षण, वृक्षारोपण एवं अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी बीरेन्द्र सिंह ने संबंधित विभागों को लंबित जिओ-टैगिंग का कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिला गंगा समिति के अंतर्गत गंगा संरक्षण एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ह्यस्वच्छता ही सेवाह्ण अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में जल गुणवत्ता, नदियों एवं नालों की स्थिति तथा एसटीपी से संबंधित सैंपलिंग रिपोर्ट की समीक्षा की गई। बूढ़ी गंगा में गिरने वाले नालों की टैपिंग के लिए डीपीआर तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश जल निगम को दिए गए।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया द्वारा बिलौटी तालाब की सफाई एवं काली नदी से हाइड्रोलॉजिकल जुड़ाव के लिए किए गए कार्यों की सराहना करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने संपूर्ण कार्यों पर डॉक्यूमेंट्री तैयार कराने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद के अधिसूचित रामछितौनी, सिकंदरपुर खुर्द एवं ब्रम्हपुर बसतौली वेटलैंड्स के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लान तैयार किए जाने की कार्यवाही से भी अवगत कराया गया। जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को जैविक खाद निर्माण का प्रशिक्षण देने तथा चयनित क्लस्टरों में जैविक खेती से संबंधित कार्य कराने के निर्देश उप कृषि निदेशक को दिए गए।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला उपायुक्त उद्योग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं संबंधित समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

पति ने दूसरी शादी की, पहली पत्नी से मारपीट, पुलिस ने किया आरोपी गिरफ्तार

अलीगढ़। अलीगढ़ के पिसावा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति पर अपनी पहली पत्नी से मारपीट करने और दूसरी शादी करने का आरोप लगा है। पीड़िता द्वारा थाने में दी गई तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मीरा देवी की शादी 17 अगस्त को पिसावा के गांव बसेरा में यतेंद्र कुमार से 10 साल पहले हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हुई थी। उनके दो बेटियां हैं, 7 वर्षीय परी और 5 वर्षीय श्रेया। मीरा का आरोप है कि यतेंद्र ने चार साल पहले नेहा देवी से कोर्ट मैरिज कर ली थी और तब से वह घर नहीं आया था।

सोमवार रात को यतेंद्र गांव बसेरा स्थित अपने घर लौटा, जहां मीरा देवी अपनी बेटियों के साथ अकेली रहती थीं। पीडिता के अनुसार, यतेंद्र ने घर आते ही उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

अखंड भारत बनाने का लिया गया संकल्प

- अमांपुर में आरएसएस ने मनाया अखंड भारत संकल्प दिवस
- वक्ताओं ने देश की संस्कृति और विरासत पर डाला प्रकाश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

अमांपुर कस्बे के बैकुंठी देवी राष्ट्रीय शिशु सदन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वाधान में अखंड भारत संकल्प दिवस मनाया गया। इस दौरान भारत माता की आरती का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारत को पुनः अखंड भारत राष्ट्र बनाने हेतु तन मन धन से संकल्प लिया गया।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विभाग प्रचारक संतोष जी ने अखंड भारत के 5 हजार वर्षों के इतिहास को दोहराते हुए कालखंड में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा भारतवर्ष पर होने वाले आक्रमणों व उन विदेशी आक्रमण से भारत की संस्कृति व परंपराओं पर पड़ने वाले कुठाराघातों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सभी स्वयंसेवकों को भारत को अखंड करने में आहुति देने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य जागन सिंह सोलंकी एवं संचालन पुष्पेंद्र आरएसएस ने किया। इस मौके पर नगर संघचालक राकेश पाराशर, खंड संघचालक आचार्य किशोरी लाल, नगर प्रचारक गजेन्द्र, विधायक हरिओम वर्मा, आचार्य संजय सोलंकी, उमाशंकर साहू, शिवांशू अग्रवाल, गौरव गुप्ता, पुष्पेंद्र वर्मा, विजयप्रकाश गुप्ता, आचार्य चित्तर सिंह, दरवेश फौजी, अंशुल वर्मा, आकाश गुप्ता सर्राफ, वीरी सिंह शाक्य, राजकुमार वर्मा, अवधेश स्वर्णकार, चेतन सोलंकी, अभिषेक सर्राफ, सोनू गुप्ता, संजीव माहेश्वरी, श्याम वशिष्ठ, आदि स्वयंसेवक मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने सुभाष चंद्र बोस को किया याद

- पुण्यतिथि पर चित्र पर चढ़ाए पुष्प, किए याद
- जिला कार्यालय पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि मनाई

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

महान स्वतंत्रता सेनानी एवं आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि पर भाजपा जिला कार्यालय, पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यकताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प चढ़ाए उन्हें याद किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये और कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का अदम्य साहस, त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि नेताजी ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनके राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और समर्पण से प्रेरणा लेकर हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से नेताजी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस दौरान आकाश दीप रानू, डॉ. बी.डी. राना, दिनेश भास्कर, प्रदीप वर्मा, अजय शर्मा, विपिन शर्मा एवं हिमांशु उपाध्याय सहित भाजपा कार्यकताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

अलीगढ़ के मोटर मैकेनिक के बेटे मो. शादाब को स्विट्जरलैंड में डब्लूएचओ ने किया सम्मानित

अलीगढ़। अलीगढ़ के मोटर मैकेनिक के बेटे मो. शादाब ने एक साधारण परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, शादाब को स्वास्थ्य संगठन (ॐ), स्विट्जरलैंड की ओर से सम्मानित किया गया। उन्हे उनके कार्यों और उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें विशेष रूप से स्विट्जरलैंड आमंत्रित किया गया, जहां उन्हें सम्मानित किया गया। संघर्ष की कहानी मोहम्मद शादाब का जीवन संघर्ष और मेहनत की ऐसी कहानी है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने वाले युवाओं को प्रेरित करती है. वह अलीगढ़ के एक सामान्य परिवार से आते हैं और उनके पिता मोटर मैकेनिक रहे हैं। शादाब को कई अवार्ड मिल चुके हैं, शादाब की उपलब्धियां किसी एक सम्मान तक सीमित नहीं हैं. उन्हें पूर्व में राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार भी मिल चुका है.

मैक्स पिकअप ने टेंपो में मारी टक्कर, एक की मौत

- सिढ़पुरा-अमांपुर मार्ग पर सेमरा मोर्चा के पास हादसा
- पांच घायलों को सीएचसी से जिला अस्पताल किया रेफर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, पटियाली।

सिढपुरा क्षेत्र के सिढ़पुरा-अमांपुर मार्ग पर गांव सेमरा मोर्चा के पास मंगलवार को मैक्स पिकअप की टक्कर लगने से सवारी टेंपो अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराया। हादसे में टेंपो सवार छह लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान एक घायल को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। पांच घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल कासगंज रेफर किया गया है।

हादसे में तोताराम पुत्र धर्मी निवासी नगला बड़ा, थाना अमांपुर (60), राजा बाबू पुत्र हरदयाल निवासी समोठी, थाना सिढ़पुरा (65), भूपेंद्र सिंह पुत्र उदयभान सिंह निवासी गेंदूपुरा, थाना अमांपुर (25), रिया पुत्री सिंटू निवासी गेंदूपुरा, थाना अमांपुर (4) और अमर सिंह पुत्र उमेश निवासी देसी नगला, थाना अमांपुर (40) घायल हुए। प्राथमिक उपचार के बाद पांचों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल कासगंज रेफर कर दिया गया। वहीं प्रेमपाल पुत्र नौबत सिंह निवासी भोगनीपुर, जनपद अलीगढ़, हाल निवासी आवास विकास कॉलोनी, कोतवाली कासगंज, बताया गया कि लोक निर्माण विभाग कासगंज में अवर अभियंता के पद पर तैनात थे साइड से बापस घर टेम्पो से जा रहे थे जिनको चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है।

युवक घर से लापता, गुमशुदगी दर्ज

अलीगढ़। चण्डौस कोतवाली क्षेत्र के गांव गंगोई से 27 वर्षीय युवक बोबी कुमार के लापता होने का सोमवार को मामला सामने आया है। परिजनों ने युवक का सुराग न मिलने पर सोमवार को पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, बोबी कुमार, जो रामवीर सिंह के पुत्र हैं, 11 अगस्त की सुबह करीब 6:30 बजे अपने घर से लापता हो गए थे। परिजनों और रिश्तेदारों ने संभावित स्थानों पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। परिजनों ने बताया कि बोबी के मोबाइल पर कॉल करने पर वह रिसीव नहीं हो रही है, हालांकि वाट्सऐप पर संदेश देखे जाने की जानकारी मिल रही है।

पानी की टंकी में मिला 24 घंटे से लापता 9 साल की बच्ची का शव

अलीगढ़। मंगलवार को अकराबाद थाना क्षेत्र के नगला पूसा गांव में दो दिन से लापता 9 साल की बच्ची का शव पानी की कुंडी में तैरता हुआ मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गांव नगला पूसा निवासी धर्मेंद्र सिंह की बेटी प्रियंका सोमवार दोपहर 1 बजे से अपने घर से लापता थी। मंगलवार सुबह करीब 1 बजे गांव वालों ने पानी की टंकी के पास बनी कुंडी में एक शव देखा। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान प्रियंका के रूप में की और पुलिस को सूचित किया। सूचना पर क्षेत्राधिकारी बरला संजय कुमार त्यागी पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने मृतक किशोरी की मौत से संबंधित साक्ष्य जुटाए। प्रियंका अपने परिवार में दो भाइयों में सबसे छोटी और इकलौती बहन थी। थाना प्रभारी पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि नगला पूसा गांव में 9 वर्षीय किशोरी का शव पानी की कुंडी में मिला है, जो सोमवार दोपहर से घर नहीं लौटी थी। उन्होंने बताया कि मृतक किशोरी मिर्गी की बीमारी से ग्रस्त बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि उसकी मौत पानी की कुंडी में गिरने से हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बच्ची की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

सोरों पालिका के खिलाफ सभासद अतुल महेरे ने खोला मोर्चा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- सोशल मीडिया पर वार्ड से लेकर पूरे नगर की समस्याओं को उठा रहे सभासद
- जलभराव और सड़क निर्माण समेत तीर्थयात्रियों की सुविधाओं पर पालिका प्रशासन से मांगा जवाब

तीर्थ नगरी सोरों शूकर क्षेत्र की नगर पालिका परिषद एक बार फिर अपने कार्यों को लेकर चर्चा में है। नगर की समस्याओं को लेकर अब नगर पालिका के सभासद अतुल महेरे ने सोशल मीडिया के जरिए पालिका प्रशासन के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया है। सभासद अतुल महेरे अपने फेसबुक अकाउंट पर लगातार अपने वार्ड सहित पूरे नगर में विकास कार्यों और व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि सोरों में रोजाना बड़ी संख्या में तीर्थयात्री और श्रद्धालु पहुंचते हैं, लेकिन उनके लिए नगर पालिका की ओर से पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उन्होंने अपने वार्ड में विकास कार्य न होने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया है। इसके साथ ही टेढ़ा नीम, मोहल्ला 64 और चक्रवर्ती क्षेत्र में जलभराव की समस्या को लेकर भी पालिका प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। वहीं मोहल्ला मढ़ई में पहले से बनी मजबूत सड़क के ऊपर नई सड़क बनाए जाने को लेकर भी सभासद ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नगर में विकास कार्यों को लेकर पारदर्शिता और जरूरत के मुताबिक काम होना चाहिए। नगर पालिका के कार्यों को लेकर इससे पहले भी सभासद और की स्थानीय लोग सोशल मीडिया के माध्यम से सवाल उठाते रहे हैं।

युवक ने गले में फंदा लगाकर की खुदकुशी

एनटीएफ टुडे, कासगंज। शहर के मोहल्ला मोहन गंदा नाला निवासी युवक ने भाई से हुई कहासुनी के बाद फंदा लगा लिया। अस्पताल में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। गली गंदा नाला पुलिया नंबर पांच निवासी 24वर्षीय देश पुत्र जोगेंद्र ने मंगलवार की सुबह समय करीब 6.30 बजे घर के अन्दर गले में फंदे डालकर कुंडे से लटकर आत्महत्या की कोशिश की गंभीर हालत में परिजन ने कासगंज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर से हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन अलीगढ़ के निजी अस्पताल ले गए जहां मंगलवार को ही उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। मृतक के पिता ने बताया दो दिन पूर्व घर में ही तेहेरे भाइयों से झगड़ा हो गया। सोमवार की रात्रि में मृतक की पत्नी और पत्नी के पिता से झगड़ा भी हुआ था।

तीन शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की तीन बाइक और तमंचा बरामद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

कोतवाली नगर पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान के दौरान तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल, एक तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 15 अगस्त की रात पुलिस अधीक्षक हाथरस चिरंजीव नाथ सिन्हा के आदेश पर चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में कोतवाली नगर पुलिस रात्रि गश्त कर रही थी। इसी दौरान किला पर अखाड़े वाले रास्ते पर शिव मंदिर के पास संदिग्ध अवस्था में खड़े तीन युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपियों की पहचान सुंदर पुत्र पप्पू निवासी कोटा कपूरा थाना मुरसान, अब्दुल पुत्र शौकत खां निवासी नौहरे चमनपुरा थाना मुरसान और विशाल उर्फ हीरो पुत्र मुकेश निवासी भूतपुरा थाना चंदपा के रूप में हुई।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्प्लेंडर प्लस, होंडा साइन और रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की। इसके अलावा अब्दुल के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस भी मिला।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अलग-अलग शहरों से मोटरसाइकिल चोरी करते थे और मौका देखकर उन्हें बेच देते थे। बिक्री से मिलने वाली रकम को आपस में बांटकर अपने शौक-मौज में खर्च करते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी चोरी की मोटरसाइकिलों को बेचने की फिराक में खड़े थे।

पूछताछ में आरोपियों ने बुलेट मोटरसाइकिल को करीब एक सप्ताह पहले मुरसान गेट के पास से चोरी करना स्वीकार किया। इस संबंध में कोतवाली नगर में मुकदमा संख्या 353/2026 धारा 303(2) बीएनएस पहले से दर्ज है।

हाथरस से लापता तीन बहनों को पुलिस ने भोपाल से खोज निकाला, 300 उउळश कैमरों से ट्रेस हुई लोकेशन

हाथरस। मदरसे में दाखिले के लिए घर से निकलीं तीन बहनों के लापता होने के मामले में हाथरस पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को मध्य प्रदेश के बीना से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी इंटेलिजेंस की मदद से बच्चियों की लोकेशन ट्रेस की। कोतवाली नगर क्षेत्र निवासी अजीज ने 15 अगस्त को पुलिस को सूचना दी कि उसकी तीन बेटियां, जिनकी उम्र करीब 18, 17 और 7 वर्ष है, सुबह करीब सात बजे मदरसे में दाखिले के लिए घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। काफी तलाश के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने पर परिजन की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हाथरस ने क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया। सर्विलांस और एंटी थेफ्ट टीम को भी बच्चियों की तलाश में लगाया गया। पुलिस टीमों ने बच्चियों के फोटो लेकर आसपास के गांवों और मोहल्लों में तलाश की। बस स्टैंड, बाजार सहित अन्य स्थानों पर पूछताछ करने के साथ सोशल मीडिया और विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुपों के माध्यम से भी बच्चियों की जानकारी प्रसारित की गई। पुलिस टीमों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो जानकारी हुई कि तीनों बच्चियां बस स्टैंड से बस में बैठकर आगरा की ओर गई हैं। पुलिस टीमों ने बस को ट्रेस करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फाउंड्री नगर, आगरा तक उनका पीछा किया। वहां फुटेज में तीनों एक ऑटो में बैठकर जाती हुई दिखाई दीं। ऑटो को ट्रेस करने पर उसकी लोकेशन आगरा कैंट रेलवे स्टेशन तक पहुंची। इसके बाद पुलिस टीमों ने आगरा कैंट रेलवे स्टेशन की सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जानकारी के आधार पर उस ट्रेन को ट्रेस किया, जिसमें तीनों बच्चियां सवार हुई थीं। लगातार प्रयास करते हुए पुलिस ने करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी इंटेलिजेंस की मदद से तीनों बच्चियों को जीआरपी थाना बीना, भोपाल से सकुशल बरामद कर लिया।

गॉल टेस्ट में जीत के लिए भारत को चाहिए छह विकेट, अंतिम दिन श्रीलंका कर पाएगी वापसी?

एजेंसी, गॉल।

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन शिकंजा कस लिया है। भारत ने श्रीलंका के सामने जीत के लिए 372 रनों का लक्ष्य रखा। श्रीलंका ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 84 रन बना लिए हैं। श्रीलंका को अब आखिरी दिन जीत के लिए 288 रन बनाने हैं, जबकि भारत को अगर सीरीज में बढ़त लेनी है तो उसे छह विकेट गिराने होंगे। स्टंप्स के समय धनंजय डि सिल्वा 31 और सोनल दिनुषा 25 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

श्रीलंका के सामने मुश्किल लक्ष्य

भारत को दूसरी पारी में ऑलआउट करने के बाद श्रीलंका दूसरी पारी में उतरी। श्रीलंका के लिए यह लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं है। यह लक्ष्य गॉल स्टेडियम में टेस्ट क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़े स्कोर के रिकॉर्ड से ज्यादा है। गॉल में अब तक सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम है, जिसने 2022 में 344 रन का लक्ष्य हासिल किया था। अब श्रीलंकाई बल्लेबाजों के सामने यह चुनौती होगी कि वह पांचवें दिन वापसी कर पाते हैं या नहीं।

सुथार की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने दिए झटके

श्रीलंका का शीर्ष क्रम एक बार फिर लड़खड़ा गया और मानव सुथार की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को शुरूआती झटके दिए। मोहम्मद सिराज ने निशान मदुश्का को अपना शिकार बनाया। मदुश्का छह रन बनाकर आउट हुए। फिर सुथार ने पसिंदु सूयाबांदारा को पवेलियन भेजा जो खाता भी नहीं खोल सके। प्रसिद्ध कृष्णा ने कामिंदु मेंडिस (2) और सुथार लाहिरु उदारा (16) को आउट कर श्रीलंका की पारी लड़खड़ा दी। श्रीलंका ने 47 रन के स्कोर पर ही चार विकेट गंवा दिए और वह भारतीय गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते दिखी। हालांकि, डि सिल्वा और सोनल ने पांचवें विकेट के लिए अब तक 37 रनों की साझेदारी की और श्रीलंका को मुश्किल से उबारने की कोशिश की। इन दोनों बल्लेबाजों के सामने अब अंतिम दिन भारतीय गेंदबाजों से निपटने की चुनौती होगी। भारत के लिए दूसरी पारी में अब तक सुथार ने दो और सिराज तथा प्रसिद्ध ने एक-एक विकेट लिया है।

पंत-पडिक्कल ने खेली शानदार पारी

इससे पहले, चौथे दिन भारत ने दूसरी पारी की शुरूआत की। भारत के पास पहले ही 178 रन की बढ़त थी। लेकिन दूसरी पारी में उसकी बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। ऋषभ पंत की 66 रन की आक्रामक पारी और देवदत्त पडिक्कल के शानदार 44 रन की बदौलत भारत ने दूसरी पारी में 193 रन बनाकर श्रीलंका के सामने जीत के लिए 372 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रखा। श्रीलंका के गेंदबाजों ने पिच और परिस्थितियों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए लेकिन केएल राहुल (35) और पडिक्कल के बाद पंत ने भारतीय खेमे की चिंता को ज्यादा बढ़ने नहीं दिया।

पंत ने टेस्ट में पूरे किए 100 छक्के

पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक शॉट लगाते हुए कभी शरीर को घुमाया, कभी झुककर शॉट खेले और इस दौरान कई बार अपना संतुलन भी खोया। उन्होंने इसी अंदाज में महज 53 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा की गेंद पर छक्का लगाकर पचासा पूरा किया। पंत इसके साथ ही टेस्ट में 100 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने छठे विकेट के लिए रवींद्र जडेजा के साथ 54 रन जोड़े। पंत की रोमांचक पारी का अंत लाहिरू की गेंद पर विकेटकीपर निरोशन डिकवेला के हाथों कैच के साथ हुआ। श्रीलंका के लिए दूसरी पारी में असिथा फर्नांडो ने चार विकेट लिए, जबकि प्रभात जयसूर्या ने तीन, लाहिरू कुमारा ने दो और केशारा नुवन्था ने एक विकेट लिया।

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले को लेकर जबरदस्त उत्साह, सभी टिकट बिके; फैंस रोमांचित

एजेंसी, लंदन।

भारत-पाकिस्तान के बीच एफआईएच हॉकी विश्व कप में बुधवार को होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के सभी टिकट बिक चुके हैं जिससे 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला वेगनेर स्टेडियम पूल-डी के इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले के दौरान खचाखच भरा रहेगा। मुकाबले को लेकर भारतीय और पाकिस्तानी मूल के लोगों में खासा उत्साह है।

चरणबद्ध तरीके से हुई टिकटों की बिक्री

रॉयल डच हॉकी संघ (केएनएचबी) की संचार अधिकारी तमारा बोउवमन्स ने कहा, 'मैच के टिकट सितंबर 2025 से ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए थे। टिकटों की बिक्री चरणबद्ध तरीके से हुई। पहला चरण सितंबर में और अगला चरण इस साल मार्च में शुरू किया गया।' टिकटों की अलग-अलग श्रेणियां रखी गई थीं। नीदरलैंड के मुकाबलों को छोड़कर अन्य मैचों के लिए साउथ स्टैंड के टिकट की कीमत 35 यूरो से शुरू हुई, जबकि कवर किए गए मेन स्टैंड का डे टिकट 57 यूरो का था। हॉस्पिटैलिटी टिकट की कीमत 251.34 यूरो रखी गई थी।

बोउवमन्स ने बताया कि जब किसी दिन के ग्रुप चरण के सभी टिकट बिक जाते हैं, तो टिकटिंग प्लेटफॉर्म पर हाफ-डे पास उपलब्ध कराए जाते हैं। इनके जरिए दर्शक उस दिन नीदरलैंड के मुकाबले को छोड़कर बाकी सभी मैच देख सकते हैं। नीदरलैंड में रह रहे भारतीय मूल के लोग इस मुकाबले को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हैं। पिछले आठ साल से नीदरलैंड में रह रहीं अंजना पब्बी ने कहा, मैं अपने परिवार के साथ भारत-पाकिस्तान मैच देखना चाहती थी, लेकिन अब टिकट उपलब्ध नहीं हैं। भारतीय टीम पहली बार यहां विश्व कप खेल रही है, इसलिए हम बेहद उत्साहित थे। अंजना ने कहा कि अब वह टीवी पर मुकाबला देखेंगी और कप्तान हरमनप्रीत सिंह तथा पूरी भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाएंगी। वेगनेर स्टेडियम में इससे पहले भी सह-मेजबान नीदरलैंड की टीम के मुकाबलों के टिकट पूरी तरह बिक चुके हैं।

53 साल बाद वेगनेर स्टेडियम में आमने सामने होंगी दोनों टीमें

पांच दशक से अधिक समय पहले विश्व कप इतिहास के सबसे रोमांचक भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में से एक का गवाह बना वेगनेर स्टेडियम बुधवार को एफआईएच विश्व कप में एक बार फिर दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों की टक्कर की मेजबानी के लिए तैयार है। इसी स्टेडियम में 31 अगस्त 1973 को विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 1-0 से हराया था। बीपी गोविंदा ने 62वें मिनट में निर्णायक गोल कर भारत को फाइनल में पहुंचाया था।

मनोरंजन

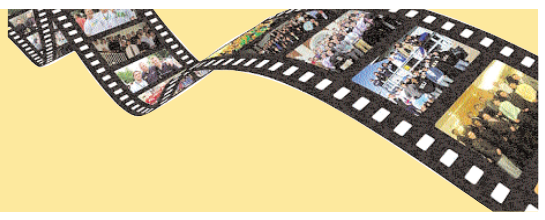

'उस वक्त का मुझे कुछ याद नहीं', स्टंट के बाद जैस्मिन भसीन ने खोई याददाश्त

रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी' में जैस्मिन भसीन तीसरी बार कमबैक कर रही हैं। टीवी एक्ट्रेस ने अब दिल दहला देने वाला अनुभव बयां किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' के एक स्टंट के दौरान उनकी याददाश्त कुछ समय के लिए चली गई थी। एक्ट्रेस के सिर पर चोट लगने से दिमाग पर असर पड़ा था। उन्हें यह चोट पानी और हवा से जुड़े एक स्टंट को करने की कोशिश के दौरान लगी थी। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें टास्क के बाद की घटना याद नहीं है। उस अनुभव का एक हिस्सा अभी भी उनकी याददाश्त से गायब है।

जैस्मिन ने इस घटना के बारे में आईएएनएस को बताया। उन्हें स्टंट के दौरान ऐसी किसी चीज के होने की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए चौंकाने वाला अनुभव था। स्टंट के तुरंत बाद क्या हुआ, मुझे याद नहीं है। आज भी उस अनुभव का एक हिस्सा ऐसा है जिसके बारे में मुझे कुछ भी याद नहीं है।'' घटना के बाद डॉक्टरों ने जैस्मिन की जांच की और सिर पर हल्की चोट लगने की बात कही। इसके बाद, उन्हें शारीरिक मेहनत से दूर रहने और तीन दिन तक पूरा आराम करने की सलाह दी गई।

स्टंट के बाद की कुछ बातें याद नहीं

एक्ट्रेस ने बताया, ''डॉक्टरों ने मुझे हल्का कंकशन होने की बात कही और 72 घंटे तक पूरा आराम करने की सलाह दी।'' हालांकि जैस्मिन को स्टंट करना याद है, लेकिन उसके ठीक बाद क्या हुआ, यह उन्हें बिल्कुल याद नहीं है। जैस्मिन ने सपोर्ट के लिए रोहित शेट्टी और 'केकेके 15' की टीम का शुक्रिया अदा किया। 'बिग बॉस 14' फेम एक्ट्रेस ने सिर पर चोट के बाद मिली मदद के बारे में भी बात की। उन्होंने इलाज और देखभाल के लिए रोहित शेट्टी, चैनल, प्रोडक्शन हाउस, डॉक्टरों और शो की सेफ्टी टीम का शुक्रिया अदा किया।

रोहित शेट्टी का जताया आभार

जैस्मिन ने कहा, ''रोहित सर चैनल और प्रोडक्शन हाउस सभी ने बहुत सपोर्ट किया और मदद की। उन्होंने मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रखा। सेफ्टी टीम और डॉक्टरों ने भी बहुत सपोर्ट किया और लगातार मुझ पर नजर रखी।'' घटना का एक्ट्रेस पर इमोशनल असर भी पड़ा। हालांकि उन्होंने माना कि जो हुआ उससे वह डर गई थीं, लेकिन आखिरकार उन्होंने चुनौतियों का सामना करने के लिए जरूरी आत्मविश्वास वापस पा लिया।

न्यूयॉर्क में तिरंगा थामे नजर आईं पूजा हेगड़े, इंडिया डे परेड में बनीं 'गेस्ट ऑफ ऑनर'

अभिनेत्री पूजा हेगड़े को न्यूयॉर्क में आयोजित 'इंडिया डे परेड' में गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर आमंत्रित किया गया। इस खास मौके पर पूजा हाथ में तिरंगा थामे नजर आईं और भारतीय समुदाय के साथ देश के प्रति अपना गर्व जाहिर किया। पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया पर न्यूयॉर्क इंडिया डे परेड की कई तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में वह पूरे उत्साह के साथ भारतीय झंडा लहराती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वह कार के ऊपर खड़ी होकर हाथ में तिरंगा थामे दिखाई दे रही हैं। समारोह में उन्हें 'चीफ गेस्ट' लिखा हुआ पटका भी पहनाया गया। तस्वीरों के साथ पूजा ने अपने अनुभव के बारे में भी विस्तार से लिखा। उन्होंने कहा, "न्यूयॉर्क में इंडिया डे परेड में गेस्ट ऑफ ऑनर बनना मेरे लिए बेहद सम्मान और गर्व की बात है। न्यूयॉर्क में रह रहे भारतीयों को एक साथ अपने देश, अपनी संस्कृति और अपनी जड़ों का जश्न मनाते देखना मेरे लिए भावुक कर देने वाला पल रहा।"

पूजा ने आगे फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशंस का आभार जताया। उन्होंने कार्यक्रम के शानदार आयोजन के लिए संस्था और न्यूयॉर्क के अधिकारियों को धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने कहा, "इस आयोजन का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी विशेषाधिकार से कम नहीं है। यह पल मुझे हमेशा याद रहेगा। जय हिंद।"

दरअसल, न्यूयॉर्क में आयोजित यह 44वीं वार्षिक 'इंडिया डे परेड' थी। इसका आयोजन मैनहट्टन के मैडिसन एवेन्यू पर किया गया। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशंस की ओर से आयोजित यह परेड भारत के बाहर होने वाली सबसे बड़ी 'इंडिया डे परेड' के तौर पर जानी जाती है। हर साल बड़ी संख्या में भारतीय और भारतीय मूल के लोग इसमें शामिल होते हैं। इस दौरान भारतीय संस्कृति, परंपराओं और देश के प्रति अपने जुड़ाव को खास अंदाज में जाहिर किया जाता है। इस बार पूजा हेगड़े के अलावा अभिनेता अदिवी शेष भी इस आयोजन का हिस्सा बने। उन्हें भी चीफ गेस्ट और ग्रैंड मार्शल की जिम्मेदारी दी गई थी।

हेडन पैनेटीयर के ऑटोप्सी में नहीं मिले चोट के निशान, मौत की वजह की जांच जारी

चर्चित अमेरिकन अभिनेत्री हेडन पैनेटीयर का 36 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बतौर बाल कलाकार करियर शुरू करने वाली हेडन ने बाद में 'हीरोज' और 'नैशविले' जैसे शो के जरिए लोकप्रियता हासिल की। हेडन पैनेटीयर के निधन की पुष्टि उनके प्रतिनिधि ने की है।

मौत की वजह अभी साफ नहीं

ग्रीनविल काउंटी कोरोनर ऑफिस के मुताबिक, जांच में ऐसे किसी ट्रॉमा या चोट के निशान नहीं मिले, जो उनकी मौत की वजह बने हों। हालांकि, उनकी मौत की असली वजह अभी सामने नहीं आई है। डेडलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोनर ऑफिस ने बताया कि मौत का कारण और तरीका अभी पेंडिंग है। अधिकारियों ने कहा है कि कुछ और जांच और स्टडी पूरी होने के बाद ही मौत की सही वजह सामने आ पाएगी। हेडन की मौत की खबर रविवार को सामने आई थी। बताया गया कि उनकी एक दोस्त ने करीब दोपहर 1:50 बजे 911 पर कॉल कर एक महिला के बेहोश होने की जानकारी दी थी। इमरजेंसी रिस्पॉन्स के दौरान मेडिकल टीम के बीच 'ओवरडोज' और 'कार्डियक अरेस्ट' जैसे शब्दों का जिक्र भी हुआ था। हालांकि, ये उनकी मौत का आधिकारिक कारण नहीं हैं। पैरामेडिक्स ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की और एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट दिया, लेकिन उन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

नशे की लत से जूझ चुकी थीं हेडन

हेडन पैनेटीयर ने अपनी जिंदगी में नशे की लत से लंबे समय तक संघर्ष किया था। उन्होंने खुद बताया था कि उनकी यह परेशानी पोस्टपार्टम डिप्रेशन, बचपन के ट्रॉमा और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के दबाव से भी जुड़ी हुई थी। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट उन्होंने कम उम्र में ही काम शुरू कर दिया था। 16 साल की उम्र में उन्हें टीवी सीरीज 'हीरोज' में काम करने का मौका मिला। बाद में उन्होंने शराब और कभी-कभी ओपिओइड्स के इस्तेमाल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने अपनी जिंदगी के बारे में कहा था कि काम के दौरान वह खुद को संभालकर रखती थीं, लेकिन काम से बाहर उनकी जिंदगी में चीजें धीरे-धीरे नियंत्रण से बाहर होती चली गईं।

राष्ट्रवाद का जन-उद्घोष:

आगरा का 'तिरंगा चौराहा' और बदलता सामाजिक-राजनीतिक परिवेश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

प्रतीकों से परे जीवंत राष्ट्रवादआगरा का खेरिया मोड़ (अजीत नगर) स्थित 'तिरंगा चौराहा' आज केवल एक भौगोलिक चौराहा या व्यस्त बाजार का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह देश के बदलते सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य का एक जीवंत और अनुकरणीय प्रतीक बन चुका है। साल 2018 से यहाँ बिना किसी रुकावट के प्रतिदिन सुबह तिरंगा फहराने और पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रगान गाने की जो ऐतिहासिक परंपरा शुरू हुई, उसने राष्ट्रवाद की परिभाषा को नए आयाम दिए हैं। अमूमन राष्ट्रवाद को 15 अगस्त, 26 जनवरी या विशेष सरकारी आयोजनों और प्रशासनिक घेरों तक सीमित मान लिया जाता है, लेकिन इस चौराहे ने इसे सरकारी नियंत्रण के दायरे से बाहर निकालकर सीधे 'आम जनता' (पब्लिक स्फीयर) की दैनिक दिनचर्या और चेतना से जोड़ दिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि जब राष्ट्रभक्ति का लोक-व्यापीकरण होता है, तो वह प्रतीकों से आगे बढ़कर एक सामाजिक संस्कार बन जाती है।सामाजिक समरसता का अनूठा और समावेशी मंचइस चौराहे की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक सामाजिक विशेषता इसका गहराई से समाया हुआ समावेशी चरित्र है। यहाँ प्रतिदिन ध्वजारोहण के लिए किसी राजनेता,

जानी पहचानी विसरी कहानी

वीआईपी या ऊंचे ओहदे वाले व्यक्ति का इंतजार नहीं किया जाता, बल्कि समाज के हर छोटे-बड़े वर्ग को मुख्य अतिथि की अग्रिम पंक्ति में खड़ा किया जाता है। यहाँ कभी कोई सफाईकर्मी तिरंगे की डोरी थामता है, तो कभी कोई शिक्षक, सेना के सेवानिवृत्त जवान, विद्यार्थी, रेहड़ी-पटरी वाले या समाज के सबसे हाशिए पर रहने वाले नागरिक ध्वजारोहण करते हैं। यह व्यवस्था सदियों पुराने जातिगत, आर्थिक और धार्मिक सामाजिक भेदों को एक झटके में पाटकर एक समतामूलक और लोकतांत्रिक समाज का जीवंत संदेश देती है। जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति देश के शीर्ष गौरव (तिरंगे) को आसमान की ऊंचाइयों की तरफ ले जाता है, तो वहाँ मौजूद हर नागरिक के भीतर भारतीय संविधान और लोकतंत्र की मूल प्रस्तावना का साक्षात अहसास जाग उठता है। यह एक ऐसा मंच बन चुका है जहाँ 'विविधता में एकता' का नारा सिर्फ किताबों में नहीं, बल्कि जमीन पर हर सुबह साकार होता है। राजनीतिक संदेश और सजग नागरिक चेतनायदि हम इसके राजनीतिक दृष्टिकोण और निहितार्थ की समीक्षा करें, तो यह चौराहा समकालीन 'प्रतीकात्मक राष्ट्रवाद' की

राजनीति को एक बहुत ही सकारात्मक और रचनात्मक मोड़ देता दिखाई देता है। आधुनिक दौर में जहाँ अक्सर राजनीतिक दलों द्वारा राष्ट्रवाद का उपयोग ध्रुवीकरण, चुनावी विमर्श को प्रभावित करने या वोट बैंक की राजनीति के लिए एक औजार के रूप में किया जाता है, वहीं अजीत नगर की जनता और स्थानीय 'अजीत नगर बाजार कमेटी' ने इसे एक शुद्ध 'नागरिक कर्तव्य' तथा सामूहिक लोक-चेतना में बदल दिया है। इसकी राजनीतिक परिपक्वता का सबसे बड़ा उदाहरण कोरोना महामारी के अत्यंत कड़े राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान देखने को मिला था। जब देश की बड़ी-बड़ी व्यवस्थाएं ठहर गई थीं, राजनीतिक सरगर्मियां बंद थीं, तब भी इस चौराहे पर पूरी मुस्तैदी, सरकारी नियमों के पालन और सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ध्वजारोहण की यह पवित्र परंपरा जारी रही। यह अटूट सिलसिला यह स्पष्ट संदेश देता है कि जब कोई राष्ट्रीय विचार किसी समाज का अपना निजी संकल्प बन जाता है, तो वह किसी भी प्रकार के राजनीतिक एजेंडे, प्रशासनिक दबावों या आपदाओं से बहुत ऊपर उठ जाता है। यह चौराहा राजनीतिक दलों को मूक चेतावनी देता है कि राष्ट्रवाद किसी एक विचारधारा या दल की बपौती नहीं है, बल्कि यह देश के अंतिम नागरिक का सहज स्वभाव है।आधुनिक विमर्श और निष्कर्षतिरंगा चौराहा आज के समकालीन भारत के समाजशास्त्रियों और राजनीतिक विश्लेषकों के लिए एक बेहतरीन केस स्टडी बन चुका है। इसने साबित किया है कि देशभक्ति को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाकर सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को बहुत गहराई से बढ़ावा दिया जा सकता है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की दहलीज तक पहुंची यह अनूठी पहल देश के अन्य शहरों के लिए भी एक बेहतरीन मार्गदर्शक मॉडल है। यह हमारे समय की राजनीति को यह याद दिलाने का एक बेहद शक्तिशाली लोक-माध्यम भी है कि राष्ट्र की असली ताकत और संप्रभुता किसी खोखले राजनीतिक नारे या चुनावी घोषणापत्र में नहीं, बल्कि नागरिकों के आपसी जुड़ाव, आपसी प्रेम और देश के प्रति उनके साझा तथा निस्वार्थ संकल्पों में निहित होती है।